डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 271 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | सोमवार 15 जुलाई 2024 | मूल्य 2 रुपया

लम्बे इंतजार के बाद मंदसौर शहर में मेहरबान हुए बदरवा, अब अच्छी बारिश होने की उम्मीद...

बरसा पानी, गिली हुई सड़कें, झमाझम की दरकार

मंदसौर, 14 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। जुलाई माह आधा बीतने जा रहा है। इसके बाद भी मंदसौर शहर से इंद्रदेव की बेरुखी बनी हुई है। जिले के भानपुरा, गरोठ व सुवासरा क्षेत्र को छोड़कर बाकी जिले में अभी भी झमाझम बारिश नहीं हो पाई है। रविवार दोपहर बाद आसमान में काले और घने बादल देखे गए। शाम को रिमझिम बारिश का नजारा रहा। लम्बे इंतजार के बाद आखिरकर मंदसौर शहर में बारिश हो गई। लेकिन, केवल सड़कें गिली हुई है। अभी भी शहर में झमाझम या मूसलाधार बारिश होने का इंतजार है। बारिश की खेंच से उमस ने भी लोगों को परेशान कर रखा है। रविवार शाम को हुई बारिश ने जरूर मौसम थोड़ा सुहाना कर दिया है, लेकिन इस बारिश से काम चलने वाला नहीं है। मूसलाधार की जरूरत है। माना जा रहा है कि अब अच्छी बारिश हो सकेगी।

जिले में मानसून की आहट हर वर्ष 20-22 जून के आसपास होती रही है। इस वर्ष भी इस दौरान बारिश हो हुई, लेकिन वह प्री मानसून तक सीमित रह गई। बारिश की लम्बी खेंच हो गई है। पूर्व में जुलाई के शुरुआत में मानसून के मेहरबान होने की उम्मीद जताई गई थी। ऐसे में शहरवासियों को इंतजार ही होता रहा। उधर, जिले के भानपुरा, गरोठ व सुवासरा क्षेत्र में झमाझम बारिश हुई है। यहां बारिश का आंकड़ा भी पिछले वर्ष के समतुल्य बना हुआ है। शहर व आसपास में उज्जयिनी मनाने की इच्छा लोग जता रहे हैं। शहर में बारिश का आंकड़ा पिछले वर्ष की तुलना में न के बराबर पहुंचा है।

किटियानी में पानी की टंकी ओवरफ्लो हुई

बारिश की खेंच के चलते नगर पालिका का जलकल अमला भी पसोपेश में है। नपा के जिम्मेदारों की एक बैठक भी हो चुकी है। 20 जुलाई तक नलों से पानी वर्तमान स्थिति में देना निश्चित किया गया है। नगर पालिका द्वारा रामघाट बांध, मिर्जापुरा व काला भाटा बांध में पानी सहेज रही है। पानी से भरे बड़े गड्ढों पर मोटरें लगाकर उलेचने का कार्य किया जाने लगा है। नपा जलकल अमले को भी अगले दिनों में झमाझम बारिश का इंतजार है, ताकि उनकी परेशानी दूर हो सके। उधर, रविवार को किटियानी क्षेत्र में पानी की टंकी ओवर फ्लो हो गई, इससे बड़ी मात्रा में पानी ढूल गया। पानी का सदुपयोग करने की दशा में जलकल विभाग के कर्मचारी को हिदायत देने की दरकार है।

दशरथ नगर में ज्वेलर्स मालिक के घर को चोरों की टीम ने बनाया निशाना...

बंगले पर चोरी ने हिला दिया पुलिसिया तंत्र

तिजोरी उठाकर बाहर ले गए, फिर खंगाला माल, जानकार के होने का अंदेशा

मंदसौर, 14 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। शहर के दशरथ नगर में बंगले पर हुई चोरी की वारदात ने पुलिसिया तंत्र को हिला दिया है। चोरी की सूचना पर पुलिस सक्रिय हो गई है। जिस प्रकार से वारदात को अंजाम दिया गया है, उससे झलकता है कि बदमाश कोई जानकार ही होंगे। इसका कारण यह भी है कि बदमाशों ने घर के अंदर रखी तिजोरी, दरवाजे व अन्य जगहों पर चाबी से ताला खोला है। बदमाशों की टीम ने न केवल बड़े आराम से चोरी की, वरन् तिजोरी भी वे बंगले से बाहर ले गए। जहां नकदी-रकम को ढूंढा। बंगले से लाखों नकदी व लाखों की सोने-चांदी के जेवरात गायब होने की अपुष्ट जानकारी सामने आ रही है। डीएन ज्वेलर्स के मालिक सराफा व्यापारी अभय पोरवाल के आज मंदसौर आने के बाद चोरी गया मशरूका कितना है, इसका आकलन हो सकेगा। माना जा रहा है कि बदमाश एक बड़ी चोरी की घटना को अंजाम देकर गए हैं। फिलहाल कोतवाली पुलिस ने डेढ़ लाख नकदी व ढाई लाख के गहने चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज की है।

कोतवाली पुलिस के अनुसार दशरथ नगर में जैन मांगलिक भवन के सामने अभय पोरवाल का बंगला है। अभय पोरवाल मंदसौर में डीएन ज्वेलर्स के नाम से सोने-चांदी का व्यापार करते हैं। उनकी किडनी में इंफेक्शन अथवा फैल होने की दशा में वे परिवारजनों सहित इंदौर में उपचार के लिए गए थे। इस दौरान घर में कम लोग ही मौजूद रहे। जिन्हें सुबह चोरी की घटना का पता चला। बदमाशों ने चोरी की वारदात शनिरार रात्रि 11.30 बजे से रविवार सुबह 5.30 बजे के बीच की है। बदमाशों ने बंगले में जहां-जहां माल हो सकता था, वहां-वहां पर हाथ की सफाई दिखाई है। सामान को भी बिखेरा गया है। बदमाशों का ध्येय रहा था कि वे नकदी और जेवरात पर हाथ मारे, ऐसी दशा में तिजोरी को उठाकर वे बंगले के बाहर ले गए। यहां तिजोरी को तोड़कर माल चुराया गया। कोतवाली पुलिस ने अनन्त जैन पिता अभय पोरवाल की शिकायत पर धारा 305, 331(4) के तहत प्रकरण दर्ज किया है। इसमें प्रारंभिक तौर पर डेढ़ लाख नकद व ढाई के गहने चोरी होना दर्शाया गया है।

चोरी की सूचना पर सीएसपी एवं कोतवाली टीआई पहुंचे मौके पर...

चोरी की सूचना मिलने पर कोतवाली टीआई पुष्पेन्द्रसिंह राठौड़ और सीएसपी सतनामसिंह दशरथ नगर स्थित बंगले पर पहुंचे। यहां उन्होंने अपने तय सुराग जुटाने की कोशिश की। मौके पर डॉग स्कवॉड और एफएसएल की टीम को भी बुलाया गया। जिन्होंने पूरे क्षेत्र की छानबीन की। संभावना है कि चोर पटरी क्षेत्र से आए हैं और इसी क्षेत्र से वापिस रवाना हुए हैं। पुलिसिया डॉग भी उस क्षेत्र में घुमा। पुलिस ने सभी स्तर पर सुराग जुटाने के लिए सक्रियता दिखाई है।

सायबर सेल पर टिकी रहती है पुलिस, वही निभा सकता है सराहनीय भूमिका

बता दें कि अक्सर कोई बड़ी घटना जब-जब होती है, तब-तब सायबर सेल की मुख्य भूमिका नजर आती है। सायबर सेल की मदद से ही बदमाशों तक पहुंचने में पुलिस को आसानी रहती आई है। इस चोरी की घटना में भी सायबर सेल पर पुलिस टिकी हुई है। सायबर सेल अपने तय छानबीन में जुटा हुआ है। संदिग्ध स्थिति दिखाई देने पर तार से तार जोड़ने कर सुराग जुटाने की कोशिश जारी है।

पुलिस गश्त पर उठे सवाल, रामभरोसे सुरक्षा व्यवस्था

शहर में चोरी की वारदात कोई नई नहीं है। दशरथ नगर में चोरी बड़ी मानी जा रही है। ऐसी स्थिति में पुलिस की रात्रि गश्त पर भी सवाल उठने लगे हैं। रात्रि में खाकी वर्दी नजर नहीं आती है। सुरक्षा व्यवस्था रामभरोसे है। शहर के दोनों बस स्टैंड पर आए दिन उठाईगिरे की हरकतें सामने आती रही है। इस संबंध में सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष उमेश पारीख ने भी पुलिस की गश्त व्यवस्था को आड़े हाथों लिया है। कहा कि पुलिस बदमाशों को जल्द नही पकड़ती तो एसोसिएशन कड़े कदम उठाएगा। सराफा व्यापारी के भाई विनोद पोरवाल ने बताया कि भैया स्वास्थ्य लाभ के लिए बाहर हैं। उनके आने के बाद ही पता चलेगा कि कितने की चोरी हुई है।

बंगले पर सीसीटीवी केमरे नहीं थे, खंगाले जा रहे बाहर के केमरे

सराफा व्यापारी के बंगले पर सीसीटीवी केमरे नहीं थे। ऐसी स्थिति में चोरों को भी हाथ की सफाई दिखाने में आसानी रही। हालांकि, पुलिस टीम आसपास के क्षेत्र में सीसीटीवी केमरे खंगाल रही है, ताकि कोई सुराग हाथ लग सके। लेकिन, रविवार रात्रि तक इस बड़ी चोरी की घटना में पुलिस को एक भी सुराग हाथ नहीं लग पाया है।

बस स्टैंड व रेलवे स्टेशन के क्षेत्र खंगाले गए

प्रारंभिक तौर पर पुलिस ने बस स्टैंड व रेलवे स्टेशन क्षेत्र के केमरे खंगाले हैं। जिसमें भी संदिग्ध स्थिति नजर नहीं आ पा रही है। अब पुलिस सराफा व्यापारियों के कर्मचारी और बंगले पर कार्यरत नौकरों की कुंडली भी देखेगी, जिससे कि यह मालूम हो सके कि चोबी से ताला खोलने क्या राज है। इस दिशा में डुप्लीकेट चाबी बनाने वाले से भी संपर्क साधने की परिस्थिति जारी है।

इनका कहना- दशरथ नगर में चोरी की घटना में सुराग नहीं मिल पाया है। हम हर स्तर पर छानबीन कर रहे हैं। सोमवार दोपहर तक कुछ न कुछ हासिल हो सकेगा। इंदौर से परिजन के आने के बाद चोरी गए मशरूका की वास्तविक जानकारी मिलेगी।

सतनामसिंह, सीएसपी, मंदसौर

संभ्रात परिवार के युवा भी फंस रहे नशे की लत में...

गांजे के नशेड़ियों को उपलब्ध हो रहा नशा, लग रहे सुट्टे

स्मैकची पकड़ रहे, गांजे के सौंदागरों को अभयदान

मंदसौर, 14 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। दो दिन पहले पुलिस ने नशे पर नियंत्रण अभियान के तहत स्मैकचियों को पकड़ा। हालांकि स्मैक के बड़े सौदागरों पर कार्रवाई का इंतजार है। यहां सबसे महत्वपूर्ण बात है कि गांजे के सौदागरों को भी पुलिस अभयदान देती आई है। आसानी से गांजे के शौकीनों को गांजा उपलब्ध हो रहा है। किराने की दुकान की तरह घर पहुंच सेवा भी शुरु हो चुकी है। शहर के पुराने ईलाकों में गांजे के कारोबारी लंबे समय से पैर पसारे बैठे हुए है। पचास रुपए की गांजे की पुडिया का सफर अब स्मैक तक पहुंच रहा है। इधर बात करें पुलिस की तो न गांजे के कारोबार पर पुलिस लगाम लगा सकी है और न ही गांजे के कारोबारियों तक पुलिस के हाथ पहुंच रहे हैं। यहीं कारण है कि नशा अब ग्रामीण क्षेत्रों तक भी पहुंच रहा है। पचास रुपए की पुडिया चिलम के माध्यम से युवा वर्ग का भविष्य खराब कर रही है। अब स्थिति यह है कि गांजे का नशा संभ्रात परिवार के युवाओं को भी पसंद आ रहा है।

पुलिस की लापरवाही के चलते ग्रामीण क्षेत्र के युवा गांजे की गिरफ्त में आते जा रहे हैं। जिले में शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रो तकं गांजे का नशा करने वाले युवाओं को यह जहर आसानी से उपलब्ध हो रहा है। इस बात की जानकारी संबंधित थाना प्रभारियों को भी है, इसके बाद भी कार्रवाई न होने से अवैध गांजे का व्यापार करने वालों के हौसले बुलंद हैं। जिला मुख्यालय पर आधा दर्जन ऐसे स्थान हैं, जहां आसानी से गांजा उपलब्ध हो रहा है। जिसमें खानपुरा, मदारपुरा, झुग्गी बस्ती सहित अन्य जगहों पर गांजे का व्यापार जमकर फलफूल रहा है। कई स्थानों पर पुलिस संरक्षण में तो कुछ स्थानों पर चोरी छिपे अवैध गांजे का व्यापार किया जा रहा है। लंबे समय से पुलिस ने सौ ग्राम गांजे को पकड्ने की कार्रवाई तक नहीं की है। पुलिस की इस कार्यप्रणाली के कारण ही अब स्थिति यह हो गई है कि गांजे केइस धंधे में ही प्रतिस्पर्धा बढ गई है। घर या गंजेडियों के बताए स्थान तक गांजा पहुंचाने की सुविधा उपलब्ध हो चुकी है।

कॉलेज तक पहुंच गए कई गंजेड़िये

यहां गांजे का नशा एक स्कूल की तरह है। स्कूल के इस पड़ाव को पास करके युवा पहुंच रहा है नशे के कॉलेज में। मतलब स्मैक की और। इसी तरह से गांजे की तो नशे की यह लत गंजेडियों में दिन प्रतिदिन बढती जा रही है। स्थिति यह होती है कि गांजे से मन भरने के बाद पॉवर फूल नशे की आवश्यकता गंजेडिये महसूस कर रहे हैं। यहीं कारण है कि गांजे के नशे के बाद युवा स्मैक के नशे तक पहुंच रहे हैं।

पचास रुपए में भराती एक चिलम

इस धंधे के पुराने खिलाड़ी जमकर फलफूल रहे हैं। सप्लाई करने वाले तो एक कोरियर की तरह होते हैं। लेकिन कई बल्लम इस धंधे में पिछे से काम कर रहे हैं। गांजा शहर में पुडिया में मिलता है। गांजे का नशा सिगरेट में या चिलम में भरकर किया जा सकता है, लेकिन शहर में चिलम में भरकर नशेडी गांजा पी रहे हैं। इसका कारण है कि चिलम में गांजा ज्यादा भरा जा सकता है। जबकि सिगरेट में गांजे की इतनी मात्रा नहीं आ सकती। इस पुडिया की किमत होती है पचास रुपए।

पहुंच रहा संभ्रात परिवारों के युवाओं तक

यह नशा पहले झुग्गी झोपडी में रहने वाले या फिर मजदूर वर्ग के युवाओं तक सीमित था, लेकिन समय के साथ संभ्रात परिवारों के युवा भी इस नशे की लत की गिरफ्त में आ गए है। यहीं कारण है कि दिन प्रतिदिन इस धंधे ने प्रोगे्रस की है। इसके अलावा इस अवैध कारोबार ने चोरी चकारी की घटनाएं भी बढाई है। गुटखे की तरह दिन में कई बार नशा उतरते ही इसकी फिर से लत लगती है। रुपए नहीं होने के कारण निम्न वर्ग के युवा चोरी चकारी तक को अंजाम दे रहे हैं।

खाद्य विभाग की कार्यप्रणाली कार्यालय तक रह गई, कभी कभार होती है छानबीन...

बदस्तूर जारी अवैध रिफलिंग सेंटर, कार्रवाई कागजों तक सीमित

मंदसौर, 14 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। शहर सहित जिले में अवैध गैस रिफलिंग सेंटर संचालित है। बता दें कि पिछले सालों में गैस चलित वाहन में दुर्घटना होने पर मंदसौर जिले में खाद्य विभाग ने छापमाार कार्रवाई की, जिसमें कई जगहों पर अवैध रिफलिंग सेंटर ढूंढ लिए गए। ऐसा भी नहीं है कि रिफलिंग सेंटर बंद हो गए हैं। मामला ठंडे बस्ते में जाते ही अवैध रिफलिंग का धंधा बदस्तूर जारी है। ग्राम में हो अथवा नगर में या फिर शहर में, घरेलू गैस का दुरुपयोग कर खुब चांदी काटी जा रही है। खाद्य विभाग का कार्य ही यही है कि घरेलू गैस का दुरुपयोग वे रोकें। इसके लिए उड़नदस्ता आदि भी गठित है। पिछले लम्बे समय में खाद्य विभाग सक्रिय हुआ हो, ऐसा कहीं देखने को नहीं मिलता है।

गैस रिफलिंग पंप नहीं, फिर भी धड़ल्ले से दौड़ रहे वाहन

जिले में एक भी गेस रिफलिंग पम्प नहीं है। सीएनजी वाला गेस पम्प जरूर ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र में है, जिसका सबको पता है। पूर्व में नयाखेड़ा बायपास पर जो रिफलिंग पम्प खुला था, वह बंद है। उधर, मंदसौर जिले में गई कारें, जीपें तथा चार पहिया वाहन ऐसे हैं जो घरेलू गैस से दौड़ाए जा रहे हैं। इनके मालिक गैस कहां से भरवा रहे हैं, यह सवाल भी बड़ा बनता जा रहा है। बता दें कि जिले में कई जगह अवैध गैस रिफलिंग सेंटर खुले हुए हैं, जहां धड़ल्ले से गैस भरी जा रही है। यह गैस घरेलू गैस है, जिसका व्यावसायिक उपयोग कर दुरुपयोग किया जा रहा है। यह बात सबको पता है, लेकिन खाद्य एवं आपूर्ति विभाग को इसकी जानकारी नहीं है। मामले में जानकारी मिली है कि जब जांच करते हैं तो संबंधित के पास गेस रिफलिंग की रसीद होती है। अब यह कृत्रिम रसीद कहां से आती है, यह तो विभाग ही जानें, लेकिन धरातल पर पड़ताल की जाए तो हवा हवाई बातें सिद्ध होती है।

केवल खाद्य विभाग को मिल जाती है रिफलिंग की रसीद

बता दें कि जिले में धड़ल्ले से एक, दो नहीं बल्कि सैकड़ों वाहन गैस चलित हैं। इनकी... शेष पेज 4 पर

पति से लड़ाई-झगड़ा होने पर रात्रि में आंगनवाड़ी केंद्र पर रुकी, सुबह लगा दी छलांग...

दो बेटे और दो बेटियों सहित कुएं में कूदी मां, चारों बच्चों की मृत्यु

गरोठ, 14 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। गरोठ थाने के ग्राम पीपलखेड़ा में रविवार सुबह हृदय विदारक घटना हुई। गांव में सुबह एक मां अपने चार बच्चों के साथ कुएं में कूद गई। इससे चारों मासूमों की मृत्यु हो गई, वहीं मां को ग्रामीणों की मदद से बचा लिया गया। बताते हैं कि शनिवार को मृतका का पति बाहर से व्यापार कर गांव आया था, रात्रि में उसने मृतका के साथ लड़ाई-झगड़ा किया। इसके चलते रात्रि में वह चारों बच्चों के साथ आंगनवाड़ी केंद्र पर रुक गई। सुबह होने पर दो बेटे और दो बेटियों के साथ मां ने कुएं में छलांग लगा दी। पति-पत्नी के झगड़े में बच्चों की जान चली गई है। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की सहायता से चारों बच्चों शव कुएं से बाहर निकलवाकर पंचनामा बनाया। इसके बाद पोस्टमार्टम गरोठ के सरकारी अस्पताल में किया गया।

गरोठएडीशनल एसपी हेमलता कुरील ने बताया कि महिला सुगना बाई 40 वर्ष को उसका पति रोडू सिंह बंजारा प्रताड़ित करता था। शनिवार रात को भी सुगना से मारपीट की थी। पति से बचकर महिला रात में चारों बच्चों को लेकर आंगनबाडी केंद्र चली गई। रातभर यहीं रही। सुबह बच्चों के साथ खेत पर पहुंची और कुएं में छलांग लगा दी। इसके चलते बंटी 9 वर्ष, अनुष्का 7 वर्ष, मुस्कान 4 वर्ष और कार्तिक 2 वर्ष की डूबने से मौत हो गई।

नशे में आया पति, मटन लाया और बनाकर खाया

महिला सुगना बाई ने बताया, पति आए दिन मारपीट करता है। रात में शराब पीकर पीटा। मुझे और बच्चों को बारिश में घर से बाहर निकाल दिया। मैं गिड़गिड़ाती रही। इसके बाद मैंने मरने की ठान ली। मेरा पति नशे में चूर होकर के रात को मटन लाया और बनाकर खाया और मेरे साथ मारपीट की तब जाकर मैंने अपने आप को खत्म करने की ठानी और मेरे बच्चों सहित कुएं में छलांग लगा दी।

चार दिन पहले पुलिस ने जीजा को समझाया था

महिला के भाई नागजीराम बंजारा ने बताया, जीजा रोडू बंजारा शराब पीकर बहन से मारपीट करता है। आरोप लगाया कि बहन को जानबूझ कर प्रताड़ित किया गया जिसके बाद उसने यह कदम उठाया है। दो-तीन बार गरोठ थाने में शिकायत भी दर्ज कराई थी। 4 दिन पहले ही जीजा ने बच्चों के साथ मारपीट की थी, जिसके बाद डायल 100 को बुलाया था।पुलिस ने समझाइश दी थी। इसके बाद जीजा घर से कहीं चला गया था। शनिवार रात को लौटा और फिर बहन से मारपीट की। बहन ने फोन कर बताया कि जीजा उसे और बच्चों को घर में घुसने नहीं दे रहा है। हम लोग मरने जा रहे हैं।

भाई को फोन कर बताया कि हम मरने जा रहे हैं...

भाई नागजी बंजारा ने बताया कि बहन सुगना बाई ने रविवार सुबह करीब 6 बजे मुझे फ़ोन कर के बताया कि उसे और बच्चों को जीजा घर में घुसने नहीं दे रहा है और प्रताड़ित कर रहा है। इसलिये मैं और मेरे बच्चे मर रहे है।

फोरलेन कनेक्टिवीटी की मांग को लेकर धरना

शामगढ़, 14 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। शामगढ़ में गरोठ उज्जैन फोनलेन कनेक्टिविटी की मांग को लेकर रविवार को धरना प्रदर्शन शुरु किया गया है। धरना देने के साथ ही यहां नारेबाजी की गई। जिसमें भाजपा व कांग्रेस के नेता भी पहुंचे। इसके बाद यहां टीआई और तहसीलदार भी पहुंचे। धरना प्रदर्शन रात्रि तक चला।

निर्माणाधीन उज्जैन - गरोठ फोर लाइन रोड पर शामगढ़ कनेक्टिविटी हेतु मकडावन में शामगढवासियो व ग्रामीणों द्वारा पिछले 1 साल से कनेक्टिविटी की मांग की जा रही है। रविवार को चक्काजाम के हालात बने तो सूचना पर शामगढ नायब तहसीलदार और टीआई मौके पर पहुंचे, लेकिन मामला बढ गया। कनेक्टिविटी की मांग करने वाले भाजपा कांग्रेस के जनप्रतिनिधि सहित आम लोगों ने रोड पर ही धरना देना शुरू किया। निर्माणाधीन कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर मनमोहन यादव का कहना है कि कनेक्टिविटी देने का कार्य एनएचएआई हेड क्वार्टर के पास है, आपकी बात को वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुँचा सकते हैं। इधर शाम तक ग्रामीण और नेता कनेक्टिविटी की मांग पर डटे रहे। सोमवार को शामगढ... शेष पेज 4 पर

विचार-मंथन

वैश्विक शांति की वकालत...

दुनिया भर में अलग-अलग देश प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जिस तरह के खेमों में बंट रहे हैं, जैसे अंतरराष्ट्रीय मुद्दे खड़े हो रहे हैं, उसमें लगातार इस बात की आशंका खड़ी हो रही है कि आने वाले वक्त में कहीं युद्ध के मोर्चों का विस्तार न हो जाए! रूस और यूक्रेन या फिर इजराइल और हमास के बीच चल रहे युद्ध ने इस आशंका को गहरा किया है। ऐसे में भारत ने जिस तरह युद्ध के विरुद्ध खड़े होने और सार्वजनिक रूप से शांति के लिए अपनी नीति घोषित करने का साहस किया है, उसकी अपनी अहमियत है। पहले रूस और उसके बाद आस्ट्रिया के दौरे में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक तरह से स्पष्ट रूप से दुनिया भर में युद्ध की परिस्थितियों को खत्म करके शांति की वकालत की। बुधवार को उन्होंने साफ लहजे में कहा कि यह युद्ध का समय नहीं है; भारत ने दुनिया को युद्ध नहीं, बल्कि बुद्ध दिया है। यह हर जगह शांति और समृद्धि का आकांक्षी है और इक्कीसवीं सदी में अपनी भूमिका को पहले से ज्यादा मजबूत बनाएगा। यों दोनों देशों की यात्रा के दौरान भारतीय प्रधानमंत्री ने वहां के शीर्ष नेतृत्व से बातचीत की और द्विपक्षीय सहयोग की नई संभावनाओं पर विचार किया। मगर अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में बनते खेमों के बीच जैसे हालात बन रहे हैं, उसमें वैश्विक स्तर पर शांति के पक्ष में भारत का खड़ा होना अहम है। दरअसल, वह रूस-यूक्रेन के बीच जारी युद्ध हो या फिर इजराइल और हमास के बीच, भारत का यह रुख जगजाहिर रहा है कि वह युद्ध का समर्थन नहीं करता। वहीं आतंकवाद के मसले पर भी भारत की साफ राय है कि यह किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं है। यूक्रेन और रूस के बीच चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए भी भारत के प्रधानमंत्री ने पहले भी कई बार बातचीत का रास्ता अपनाने की ही सलाह दी है। आस्ट्रिया दौरे में भी अगर उन्होंने भारत के शांति का पक्षधर होने की बात की तो यह स्वाभाविक और अपनी नीतियों पर ही कायम रहना है। यह छिपा नहीं है कि जहां रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध के संकट में कोई कमी नहीं दिख रही है, वहीं अमेरिका और उसके कई सहयोगी देश नाटो की बैठक करके एक अलग ही संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं। इस तरह के हालात में भारतीय प्रधानमंत्री की रूस और आस्ट्रिया की यात्रा और इस दौरान दिए गए संदेश का मतलब साफ है। विश्व का जो भी हिस्सा युद्ध या आतंकवाद से प्रभावित है, वहां सामान्य विकास की तो दूर, जनजीवन के बाधित होने और मानव अधिकारों का हनन आम है। ऐसे में दुनिया की महाशक्तियां अगर लोकतंत्र बचाने की बात करती हैं, तो यह अपने आप में एक विरोधाभासी स्थिति है। युद्ध और आतंकवाद को खत्म किए बिना और शांति कायम किए बगैर कहीं भी मानव अधिकारों और लोकतांत्रिक मूल्यों को जीवन नहीं दिया जा सकता। इस समूचे संदर्भ में भारत का पक्ष हमेशा से स्पष्ट रहा है। यही वजह है कि भारत ने अक्सर इस बात पर जोर दिया है कि यहां के लोग बुद्ध और उनके विचार के रास्ते पर चल कर दुनिया भर में शांति और सौहार्द की उम्मीद करते हैं। फिलहाल अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में जिस तरह की खेमेबंदी हो रही है, युद्ध के नए मोर्चे खुलने की आशंका खड़ी हो रही है, उसमें भारत ने शांति के पक्ष में अपनी भूमिका को निभाने की जो घोषणा की है, उसकी जरूरत दुनिया भर को है।

राष्ट्रपति एर्दोगन ने सिर्फ सीरियाई संघर्ष का इस्तेमाल किया

मनीष राय

अब कई वरिष्ठ सीरियाई विपक्षी नेताओं का मानना है कि अंकारा ने सीरियाई क्रांति से नाता तोड़ लिया है। सीरियाई संघर्ष की शुरुआत के बाद से तुर्की सीरियाई विपक्षी गुटों के मुख्य समर्थकों में से एक रहा है और उसने सीरियाई राष्ट्रपति बशर अल-असद को उखाड़ फेंकने का समर्थन किया है। पिछले कुछ समय से सीरिया के साथ मेल-मिलाप की दिशा में तुर्की के कदमों को लेकर सीरिया के विपक्ष के कब्जे वाले क्षेत्रों में तनाव बढ़ रहा है। तुर्की में सीरियाई लोगों के खिलाफ हालिया हिंसा ने उत्प्रेरक के रूप में काम किया और उत्तर-पश्चिमी सीरिया के विपक्ष के कब्जे वाले इलाकों में जवाबी दंगों को जन्म दिया। सैकड़ों सीरियाई प्रदर्शनकारी, जिनमें से कुछ हथियारबंद थे, विरोध में सड़कों पर उतर आए। कुछ लोगों ने तुर्की के झंडे फाड़ दिए, पत्थर फेंके और तुर्की के वाणिज्यिक ट्रकों को निशाना बनाया। हाल के दिनों में गुस्सा उबल पड़ा है और सड़कों पर तुर्की विरोधी भावनाएं साफ नजर आ रही हैं। उत्तरी सीरिया में तुर्की-नियंत्रित क्षेत्रों में कई लोग तुर्की सुरक्षा बलों की वापसी की मांग कर रहे हैं, जिससे पहले से ही अस्थिर स्थिति और खराब हो गई है। कुछ स्थानों पर तुर्की-प्रशिक्षित सीरियाई विपक्षी बलों ने तुर्की के बख्तरबंद वाहनों पर गोलीबारी की, जिससे तुर्की को नियंत्रण बनाए रखने के लिए क्षेत्र में अतिरिक्त सैनिकों को तैनात करना पड़ा। युद्ध पर नजर रखने वाली संस्था सीरियन ऑब्जर्वेटरी ऑफ ह्यूमन राइट्स के अनुसार, टकराव के परिणामस्वरूप तुर्क सैनिकों के साथ गोलीबारी में कई लोग मारे गए। तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगन ने हाल ही में कहा था कि सीरिया के साथ संबंध स्थापित न करने का कोई कारण नहीं है। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए इस बात पर भी जोर दिया कि अंकारा की सीरिया के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने की कोई योजना या लक्ष्य नहीं है। उन्होंने जो कहा वह 2011 में सीरियाई संघर्ष शुरू होने के बाद से सीरिया में तुर्क जो कर रहे हैं उसके बिल्कुल विपरीत है। अब कई वरिष्ठ सीरियाई विपक्षी नेताओं का मानना है कि अंकारा ने सीरियाई क्रांति से नाता तोड़ लिया है। सीरियाई संघर्ष की शुरुआत के बाद से तुर्की सीरियाई विपक्षी गुटों के मुख्य समर्थकों में से एक रहा है और उसने सीरियाई राष्ट्रपति बशर अल-असद को उखाड़ फेंकने का समर्थन किया है। लेकिन, हकीकत में तुर्की ने हमेशा अपने निहित स्वार्थों की पूर्ति के लिए सीरियाई संघर्ष का इस्तेमाल किया। तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगन ने 2016 के बाद से कई मौकों पर सीरियाई विपक्ष को बेचा, जिससे असद शासन को तुर्की समर्थित समूहों द्वारा नियंत्रित कई क्षेत्रों पर फिर से कब्जा करने की अनुमति मिल गई है। सीरियाई गृहयुद्ध में अंकारा की प्रारंभिक नीति स्पष्ट रूप से उदारवादी सीरियाई विपक्ष के समर्थन में थी। हालांकि, तुर्की ने 2012 और 2013 में तुर्की के रास्ते सीरिया जाने वाले विदेशी जेहादी लड़ाकों के लिए अपनी सीमाएं खोल दीं और आईएसआईएस सहित चरमपंथी समूहों को बढ़ावा दिया। आईएसआईएस के उद्भव ने अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को परेशान कर दिया और बदले में उन्होंने तुर्की समर्थित विद्रोहियों के लिए समर्थन कम कर दिया और कुर्द पीपुल्स डिफेंस यूनिट्स (वाईपीजी) जैसे इस्लामिक स्टेट से लड़ने वाले समूहों की मदद करने पर ध्यान केंद्रित किया। इसके बाद तुर्की ने सीरिया में अपनी नीति को फिर से समायोजित किया और ज्यादातर अरब सीरियाई विद्रोहियों को कुर्दों से लड़ने के लिए प्रेरित किया। पूरे संघर्ष के दौरान फ्री सीरियन आर्मी (एफएसए) एक सशस्त्र विपक्षी समूह रहा है जो ज्यादातर तुर्की के साथ जुड़ा हुआ है और सबसे ज्यादा उस पर निर्भर है। 2015 के बाद, जब तुर्की ने उत्तरी सीरिया में बफर जोन बनाकर पीवाईडी/वाईपीजी के नेतृत्व वाले सीरियाई कुर्दों को रोकने की अपनी रणनीति पर कदम बढ़ाया। इसने अपने हाइब्रिड सैन्य अभियानों में एफएसए समूहों को अनियमित बलों के रूप में इस्तेमाल किया- ऑपरेशन यूफ्रेट्स शील्ड, 2016, ऑपरेशन ओलिव ब्रांच, 2018, और ऑपरेशन पीस स्प्रिंग, 2019। इन समूहों का नाम बदलकर सीरियाई राष्ट्रीय सेना (एसएनए) कर दिया गया। तुर्की सैन्य अभियानों में अपनी भागीदारी के बदले में तुर्की एसएनए को प्रशिक्षण, वेतन और हथियार प्रदान करता है। ये समूह तुर्की के साथ सहयोग करने और यूफ्रेट्स नदी के पूर्व में कुर्द बलों के खिलाफ तुर्की के अभियानों का समर्थन करने में भी सहज थे। बदले में उन्हें उत्तर-पश्चिमी सीरिया के कुछ हिस्सों में अपनी स्थिति मजबूत करने और उनकी रक्षा करने में तुर्की का समर्थन मिल रहा था। इतना ही नहीं, तुर्की ने इन सीरियाई विपक्षी समूहों को लीबिया और नागोर्नो-काराबाख जैसी जगहों पर भी इस्तेमाल किया। दुर्भाग्य से, इन समूहों को यह एहसास नहीं हुआ कि वे तुर्कों के हाथों में खेल रहे हैं और यह केवल समय की बात है कि उन्हें अंकारा द्वारा भी बेच दिया जाएगा। तुर्की ने सीरिया में फूट डालो और राज करो की नीति अपनाई जिसमें आवश्यकताओं के अनुसार उन्होंने सीरियाई लोगों को एक दूसरे के खिलाफ मैदान में उतारा। संक्षेप में, अपने लाभ के लिए सीरियाई गृहयुद्ध में क्रांतिकारी कारण को पुनर्जीवित करने की तुर्की की दृष्टि को सीरियाई विपक्षी समूहों पर संस्थागत नियंत्रण के माध्यम से प्रभावी ढंग से क्रियान्वित किया गया है। आज तुर्की केवल अपने बड़े रणनीतिक हितों की पूर्ति के लिए बशर-अल-असद की सीरियाई सरकार के साथ संबंधों के एक नए युग के लिए तैयार है। इस बीच, सीरियाई विपक्ष, तुर्की के लिए महज एक दिखावा मात्र प्रतीत होता है। इस बात की संभावना नहीं है कि विपक्ष स्पष्ट और विशिष्ट प्रतिबद्धताओं और सीरिया में संभावित राजनीतिक और संवैधानिक परिवर्तन से संबंधित मुद्दों के लिए क्षेत्रीय राजनीतिक आवरण के बिना तुर्की और सीरिया के बीच समझौते को स्वीकार करेगा। लेकिन तुर्की अपने उच्च-स्तरीय हितों को सीरियाई विपक्ष जैसे महत्वहीन समूहों द्वारा शासित होने की अनुमति नहीं देगा। अंकारा प्रमुख सीरियाई विपक्षी सशस्त्र गुटों को नियंत्रित करने की कोशिश करेगा और संभवतः उन लोगों को खत्म कर देगा जिन पर उसे अपने नए एजेंडे का विरोध करने का संदेह है। इससे अरब और कुर्द विपक्षी समूहों को सीरियाई क्षेत्र के लगभग 35-40 प्रतिशत और कुल आबादी के एक बड़े हिस्से पर नियंत्रण मिल जाएगा।

दोस्ती के रंग और उसका मतलब...

लोकेंद्रसिंह

दोस्ती का कोई तय मतलब नहीं होता है और अगर मतलब होता तो दोस्ती होती ही नहीं। दोस्ती इस संसार का ऐसा नाता है जो किसी भी औपचारिकता का मोहताज नहीं है, किसी प्रकार के बंधन का पर्याय नहीं है। अच्छे दोस्त होना मोक्ष पाने के बराबर है। रिश्ते-नाते मुसीबत में साथ तो आते तो हैं, लेकिन उनमें किंतु-परंतु बहुत होते हैं। वहीं दोस्ती सारी किंतु-परंतु से ऊपर होती है। जो कोई आगे-पीछे नहीं सोचता, बस खुशी हो या गम, बगैर बुलाए, बगैर किसी तामझाम के जो आ जाए, वही दोस्त और ईश्वर होते हैं। ऐसा कहते हैं कि दोस्ती हृदय से हृदय का बंधन होता है और सच्चा दोस्त परेशानी आने से पहले ही मौजूद हो जाता है। कुछ लोग अपने दोस्ताना मिजाज के लिए ही बने होते हैं। मित्रता का विज्ञान ही दिल से चलता है, जहां गुणा-भाग, घटाव का स्थान नहीं होता है, सिर्फ जोड़ होता है। इतना ही गणित आता है दोस्तों को। वे एक और एक ग्यारह करना जानते है, दो और दो पांच तो कभी आठ कर देते हैं, पता ही नहीं चलता। रसायन भी इतना ही जानते है कि जो पदार्थ घुलनशील हैं, वे ही दोस्तों को याद रहते हैं। दोस्त नमक की तरह होते हैं। न हों तो खाने का स्वाद ही नहीं रहता है। उनका अर्थशास्त्र अलग ही होता है और कहता है, 'तू रख अभी, जब तेरे पास आएगा तब दे देना..।' दोस्त सिर्फ आवरण को प्रभावित नहीं करते, वे अंतरतम तल तक जाकर वह सब कुछ जानते हैं जो शायद परिवार के लोग भी नहीं जानते। उन्हें तुरंत पता चल जाता है कि दोस्त की इस समय जरूरतें क्या हैं। ऐसा अनुसंधान कहते है कि अगर मन में अवसाद है तो वह दोस्तों की संख्या पर निर्भर करता है। 'प्रोसीडिंग्स आफ रायल सोसायटी' जर्नल में प्रकाशित शोध दोस्ती के बारे में नई बात सामने रखता है। शोध में ऐसे दो हजार विद्यार्थियों को शामिल किया गया, जिनमें अवसाद के लक्षण दिखे। सामने आया कि जिन विद्यार्थियों के पास दोस्तों की संख्या बड़ी थी, उनमें अवसाद के लक्षण घटे। इनमें दोगुना तेजी से सुधार की संभावना देखी गई। अमेरिका में हुई एक और शोध के मुताबिक, अकेलापन अवसाद बढ़ाने के साथ सेहत को भी प्रभावित करता है। दरअसल, दोस्तों का दायरा हमारी उम्र बढ़ाता है और हमें खुश भी रखता है। दोस्ती हमेशा प्रेरणा देती है और हमें एकाकीपन से परे धकेलती है। जहां मौन हो वहां अगर दोस्त हो तो भी वह उस मौन को पढ़ लेता है। वे उन भावनाओं, अपनापन, खुशी, गम सबको पढ़ लेते हैं और वैसे ही सहयोग देने लगते हैं। बचपन के दोस्त तो ऐसे होते हैं जो हमारी रग-रग से वाकिफ होते हैं और हमें चिढ़ाए बगैर नहीं मानते। ब्रिटिश मानव विज्ञानी और शोधकर्ता राबिन डनबार की शोध कहती है कि एक इंसान डेढ़ सौ से अधिक दोस्तों से दोस्ती नहीं निभा सकता। इनमें से इंसान के दिल के करीब कुछ ही दोस्त होते हैं। सबसे अच्छे दोस्त कितने होते हैं, इस पर राबिन का कहना है कि एक इंसान भले ही डेढ़ सौ दोस्तों के दायरे को निबाह सकता है, लेकिन मात्र पांच दोस्त ही ऐसे होते हैं, जिनसे वह अपनी हर बात साझा कर सकता है। जर्नल 'साइकोलाजिकल साइंस' में प्रकाशित शोध के मुताबिक, जो लड़के बचपन में अपने दोस्तों के साथ ज्यादा वक्त बिताते हैं, जब वे तीस वर्ष के होते हैं तो उनका रक्तचाप और 'बाडी मास इंडेक्स' कम रहता है। अमेरिका की टेक्सास टेक युनिवर्सिटी के जेनी कडिफ का कहना है, 'शोध के निष्कर्ष बताते हैं कि शुरुआती जीवन का वयस्क होने पर हमारे शारीरिक स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ता है। बचपन के हमारे दोस्त बड़े होने पर भी हमारी सेहत को फायदा पहुंचाते हैं।' जीवन में कुछ रिश्ते हमें ऊपर वाला ही बनाकर देता है, लेकिन दोस्ती का रिश्ता हम नीचे आकर स्वयं चुनते हैं। कई शोध में यह सिद्ध भी हो चुका है कि अकेले रहने वाले लोगों के शरीर में कार्टिसोल नाम का तनाव हार्मोन तेजी से बनता है, जिसकी वजह से उन्हें तनाव से जुड़ी समस्याएं होने लगती हैं। वहीं जिन लोगों के पास दोस्त होते हैं, जो ज्यादातर समय दोस्तों के साथ बिताते हैं, उनके तनाव हार्मोन कम हो जाते हैं। वे न सिर्फ बुरे वक्त में काम आते हैं, बल्कि हमें दिमाग से भी तेज बनाते हैं। यह सच है कि जिनके पास दोस्त हैं, वे लोग बाकी लोगों के मुकाबले दिमागी तौर पर ज्यादा जवान और तेज होते हैं। एक शोध के मुताबिक, यादों, भावनाओं और प्रेरणाओं को महसूस करने वाला दिमाग का हिस्सा स्पष्ट रूप से उम्र के साथ प्रभावित होता है। लोगों के दिमाग के इस हिस्से में सामाजिक संबंध संरक्षित रहते हैं। दरअसल, दोस्ती का एक ही नियम है कि उसका कोई नियम नहीं है। बगैर नियम के जो चले और उसमें चार चांद लगा दे वही दोस्ती का आयाम होता है। क्योंकि कोई भी दोस्ती की तुलना दूसरी दोस्ती से नहीं की जा सकती।

फ्रांस में गठबंधन सरकार के क्या हैं मायने

इस महीने के आखिर में शुरू हो रहे पेरिस ओलिंपिक से ठीक पहले फ्रेंच नैशनल असेंबली के आकस्मिक चुनावों के नतीजों ने फ्रांसीसी राजनीति की पुरानी दरारों को और जटिल बना दिया है। सन 1959 में जनरल डी गॉल की फ्रांस में पांचवें गणतंत्र की स्थापना से आज तक, पहली बार इस तरह के खंडित परिणामों के चलते गठबंधन सरकार का एक नया अध्याय शुरू हो रहा है। विधायिका के 2022 के चुनावों में भी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की पार्टी को 577 सीटों वाली संसद के निचले सदन में केवल 245 सीटें मिली थीं। लेकिन तब एक स्थिर सरकार सुनिश्चित करने के लिए रूढ़िवादी रिपब्लिकन पार्टी का समर्थन मिल गया था। इस बार मैक्रों के लिए सबसे बड़ी चुनौती होगी इन दलों से जूझना। उनका कार्यकाल 2027 तक है। इस चुनाव में वामपंथी दलों का नवगठित गठबंधन 'न्यू पॉप्युलर फ्रंट' 182 सीटें जीत कर सबसे बड़े ब्लॉक के रूप में उभरा है। हालांकि बहुमत के आंकड़े 289 से वह बहुत दूर है। इसके बाद राष्ट्रपति मैक्रों के मध्यमार्गी गठबंधन 'एनसेंबल' की 168 सीटें हैं। कट्टर दक्षिणपंथी कही जाने वाली नैशनल रैली को हाल में हुए यूरोपीय संसद के चुनावों में और फिर इस चुनाव के पहले चरण में सबसे ज्यादा वोट मिले थे। लेकिन, वह तीसरे स्थान पर सिमट कर रह गई है। हालांकि 2022 के चुनावों में नैशनल रैली को केवल 89 सीटें मिली थीं। इस बार यह संख्या 143 है। इससे जाहिर होता है कि पार्टी का प्रभाव बढ़ रहा है। फ्रांसीसी चुनावी प्रणाली में एक उम्मीदवार को निर्वाचित होने के लिए 50त से अधिक वोट जीतने होते हैं। यदि कोई भी इस सीमा को पार नहीं करता है, तो 12.5त से अधिक वोट वाले उम्मीदवार दूसरे चरण में जाते हैं। इस चरण में सबसे अधिक वोट पाने वाला जीत जाता है। पहले दौर में, 50 प्रतिशत वोट पाकर चुने गए 76 उम्मीदवारों में से 39 राष्ट्रीय रैली से थे। ऐसा लग रहा था कि यह पार्टी चुनाव जीतने वाली है और 28 वर्षीय जॉर्डन बार्डेला अगले प्रधानमंत्री होंगे। सन 1972 में नैशनल रैली की स्थापना होलोकॉस्ट के आव्रजन विरोधी जीन-मैरी ले पेन ने की थी। हालांकि इस पार्टी को मुख्यधारा में लाने का काम इस शताब्दी में उनकी बेटी मरीन ले पेन ने किया। उन्होंने 2022 के चुनावों के दौरान राष्ट्रपति पद मैक्रों से लगभग जीत लिया था। अब इसकी अध्यक्षता जॉर्डन बार्डेला कर रहे हैं। उन्होंने प्रवासन, अल्पसंख्यकों और धर्म पर अपने रुख को नरम किया है, जो आंशिक रूप से उनकी बढ़ती सामाजिक स्वीकार्यता को स्पष्ट करता है। इसीलिए चुनाव के दूसरे चरण से पहले, 200 से अधिक मध्यमार्गी और वामपंथियों ने अपने वोट कटने से बचने के लिए नामांकन वापस ले लिया। गैर-दक्षिणपंथी वोटों का यह एकीकरण नैशनल रैली को सत्ता तक पहुंचने से रोकने में सफल रहा। विधायिका के कार्यकाल पूरा होने से तीन साल पहले ही अचानक केवल तीन हफ्ते में चुनाव कराने के पीछे मैक्रों का यही एक बड़ा मकसद था। अब राष्ट्रपति मैक्रों अपनी संवैधानिक शक्तियों से इस दल को और भी कमजोर बना सकते हैं। अधिकांश उदार लोकतंत्रों के विपरीत, फ्रांसीसी राष्ट्रपति के लिए यह बाध्यकारी नहीं है कि वह नैशनल असेंबली में सबसे बड़े दल से ही अपने प्रधानमंत्री का चयन करें। संविधान राष्ट्रपति मैक्रों को अलग-अलग दलों से कैबिनेट चुनने की अनुमति देता है। लेकिन ऐसी उम्मीद की जाएगी कि वह सबसे बड़े गठबंधन 'न्यू पॉप्युलर फ्रंट' से ही अपना प्रधानमंत्री चुनें। ऐसा पहली बार नहीं होगा जब राष्ट्रपति और पीएम अलग-अलग दलों से होंगे। लेकिन इससे यह सुनिश्चित होगा कि उनकी गठबंधन सरकार को रोजमर्रा के काम में कम विरोध का सामना करना पड़ेगा।

आज का राशिफल

मेष · वृषभ · मिथुन · कर्क · सिंह · कन्या · तुला · वृश्चिक · धनु · मकर · कुंभ · मीन

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5296

		9	4	7			3	6
				8			2	9
	1		2				5	7
7	6							
		1				6		
							1	5
6	9				1		4	
8	2			5				
1	4			6	9	7		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5295

6	5	7	4	2	3	1	8	9
8	1	4	9	5	6	2	7	3
3	9	2	1	8	7	4	5	6
5	4	6	8	7	2	3	9	1
7	8	1	3	9	4	6	2	5
2	3	9	5	6	1	7	4	8
4	2	5	6	1	8	9	3	7
9	6	3	7	4	5	8	1	2
1	7	8	2	3	9	5	6	4

वर्ग पहेली 5431

संकेत: बाएं से दाएं

1. ब्रिटेन ने इस देश को 29 अगस्त 1945 को जापान से मुक्त किया (4)
5. इंतजार (2)
7. विवाह के पूर्व की एक रस्म (4)
10. हजरत मुहम्मद की छंदोबद्ध स्तुति (2)
13. (2)
14. (2)
15. (2)
16. (2)
18. (3)
22. (4)
24. 1948 में प्रदर्शित आग वह पहली फिल्म थी जिसमें अभिनेता के साथ-साथ निर्माता-निर्देशक के रूप में भी ये अभिनेता सामने आए (5)
25. (2)

ऊपर से नीचे

1. (3)
2. (6)
3. (2)
4. (6)
5. (3)
6. (5)
9. (2)
12. (3)
17. (4)
19. (3)
20. (2)
21. (2)
22. (2)
23. (2)

वर्ग पहेली 5430 का हल

पीएम एक्सीलेंस कॉलेज नीमच के लिए है बड़ी उपलब्धि-सांसद

नीमच में पीएम एक्सीलेंस कॉलेज का शुभारंभ

नीमच, 14 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। नीमच स्थित स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय नीमच को प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस के रूप में उन्नयन किया गया है। श्री अटल बिहारी वाजपेई शासकीय कला व वाणिज्य महाविद्यालय इंदौर से वर्चुअली केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा रिमोट का बटन दबाकर पीएम कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस का शुभारंभ किया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नीमच के परिसर में सांसद सुधीर गुप्ता के मुख्य आतिथ्य एवं विधायक श्री दिलीप सिंह परिहार की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।

इस अवसर पर विधायक श्री दिलीप सिह परिहार ने अपने उदबोधन ने कहा, कि प्रदेश के 55 महाविद्यालयो में नीमच के शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय को सम्मिलित करना एक बड़ी उपलब्धि है। यहां के छात्र-छात्राओं को बस की सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है। पीएम एक्सीलेंस कॉलेज मे छात्र-छात्राओं को विभिन्न नवीन शिक्षा पाठ्यक्रम एवं शिक्षको की सुविधा उपलब्ध है। सांसद श्री सुधीर गुप्ता ने कहा, कि सभी विद्यार्थियों को ग्रेजुएट एवं पोस्टग्रेजुएट होकर माता-पिता तथा गुरुजनों का नाम रोशन करना है, छोटी क्लास से लेकर उच्च शिक्षा तक के बच्चों को पीएम एक्सीलेंस महाविद्यालय में पढ़कर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सपने को साकार करना है तथा इस संसदीय क्षेत्र में नीमच की पावन धरा पर पीएम एक्सीलेंस कॉलेज का शुभारंभ शहर के लिए बड़ी उपलब्धि है। नए पाठ्यक्रमों के माध्यम से अपने कौशल का विकास कर आत्मनिर्भर बनने की दिशा में पीएम कॉलेज आफ एक्सीलेस युवाओं के लिए वरदान साबित होगा। इस मौके पर विधायक मनासा श्री अनिरुद्ध मारू, जिला पंचायत अध्यक्ष सज्जन सिंह चौहान, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शारदाबाई धनगर, नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती स्वाति चोपड़ा, जिला पंचायत सीईओ श्री गुरुप्रसाद, एसडीएम डॉ.ममता खेड़े, महाविद्यालय जनभागीदारी अध्यक्ष श्री विश्वदेव शर्मा, विजय बाफना, योगेश जैन अधिकारी कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधि महाविद्यालय छात्र-छात्राएं प्रोफेसर उपस्थित थे। अतिथियों द्वारा महाविद्यालय परिसर में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ एवं मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी पुस्तकालय का शुभारंभ किया गया। अतिथियों द्वारा महाविद्यालय बगीचों में पौधारोपण भी किया गया। सभी अतिथियों द्वारा महाविद्यालय में बस का शुभारंभ किया तथा बस में बैठकर सवारी भी की। इस कार्यक्रम का संचालन डॉ.संजय जोशी ने किया। अंत में प्रो.प्रशांत मिश्रा ने आभार व्यक्त किया।

जालसाजी में फरार आरोपी का बदमाशों ने किया अपहरण

परिजन से मांगी फिरौती, चार गिरफ्तार, एक फरार

रतलाम, 14 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। बिलपांक थाना क्षेत्र पुलिस ने तीन दिन पूर्व गुम हुए युवक के मामले में सनसनीखेज खुलासा किया है। युवक पहले से ही जालसाज के मामले में फरार चल रहा था। युवक का पांच बदमाशों ने अपहरण कर परिजन से फिरौती मांगी। पुलिस ने अपहरण युवक को बदमाशों से बरामद कर चार को गिरफ्तार किया है, जबकि एक फरार हो गया जिसकी तलाश जारी है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 12 जुलाई को भंवरसिह सिसोदिया नि.ग्राम रत्तागढखेडा ने अपने पुत्र कुलदिप की गुम होने की शिकायत बिलपांक थाने पर की थी। पुलिस ने कुलदीप के बारे में जानकारी निकालने पर पता चला की कुलदिप का अपहरण हुआ है, कुलदीप चार पहिया वाहन खरिद फरोस्त का काम करता था, किस्त नही भरने व पैसे नही लौटाने के संबध मे धोखाधड़ी भी करता है। अपहर्त कुलदिप के विरुध्द पुर्व से थाना स्टेशन रोड रतलाम पर जालसाज़ सहित कई विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज है। जिसमे कुलदिप फरार चल रहा था। पुलिस ने बताया की अपहर्त कुलदिप ने अपहरणकर्ता आकाश उर्फ अक्की यादव, दीपक गेहलोद, समर श्रीवास्तव, मोहित यादव नि.रतलाम व अक्षय डामोर नि.सैलाना के साथ भी ऐसे ही चार पहिया वाहन खरिद फरोस्त कर धोखाधड़ी की थी। आरोपीयो को पता चला की कुलदीप अपने घर रत्तागढखेडा मे है तभी सभी अपहरकर्ता आरोपीयो ने एक गोल्डन कलर की स्कोडा रैपिड कार से कुलदीप को कार मे भरकर जबरजस्ती उठा ले गये। अपहरणकर्ताओ ने कुलदीप के हाथ पैर बांधकर सुनसान जंगल मे ले जाकर मारपीट की और कुलदिप के परिजनो से कुलदीप को छोड़ने के बदले रुपये 07 लाख की मांग करने लगे। बीते दिन शनिवार को कुलदीप के पिता ने पुलिस स्टेशन पर अपने बेटे कुलदिप के अपहरण होने व छोड़ने के बदले रुपये 07 लाख की मांग करने की सुचना दी। थाना प्रभारी प्रिती कटारे ने टीम का गठन कर तकनिकी मदद लेकर टीम बनाकर अपहर्त कुलदीप को जुलवानिया के पास जंगल से बरामद कर लिया। पुलिस ने चार अपहरणकर्ता को गिरफ्तार कर लिया जबकि एक फरार हो गया। आरोपी आकाश के कब्जे से घटना मे उपयोग एक गोल्डन कलर की स्कोडा रैपिड कार व उसके साथीयो से डंडे जप्त किये। कुलदिप की रिपोर्ट से आरोपियों पर अपराध क्र.416/13.07.24 धारा 140(1),140(2),140(3), 3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबध्द कर जांच मे लिया। आरोपीयो के आपराधिक रिकार्ड भी है। आरोपीयो से अन्य घटना के बारे मे पुछताछ करने हेतु न्यायालय मे पेश किया जायेगा।

अक्की उर्फ आकाश पिता बाबूलाल यादव नि.वर्धमान नगर रतलाम जिला रतलाम, मोहित पिता बाबूलाल यादव नि.वर्धमान नगर रतलाम जिला रतलाम, दीपकसिह गेहलोद पिता भंवरसिह गेहलोद नि.मुखर्जी नगर रतलाम जिला रतलाम, अक्षय डामोर पिता विक्रम डामोर नि.भीलो की खेडी सैलाना जिला रतलाम आरोपी गिरफ्तार है तथा समर श्रीवास्वत नि. ऋषिनगर उज्जैन, हा.मु.मुखर्जी नगर रतलाम जिला रतलाम फरार है।

सुवासरा न्यायालय का महत्वपूर्ण फैसला...

बाबूलाल जैन ने खुद के लिए वैकल्पिक रास्ता ढूंढ निकाला, दूसरों के लिए रूढ़िवादी रास्ता बंद कर दिया था

सुवासरा, 14 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। घसोई किसान संघ द्वारा एक आवेदन दिया था जिसमें पुराना सर्वे क्रमांक 620 पर एक रूढ़िवादी रास्ता जैन द्वारा बंद कर दिया था प्राथी द्वारा हांक, जोत कर तार फेंसिंग कर अवैध रूप से अतिक्रमण किया गया था मध्य प्रदेश भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 248 के तहत आदेश पारित कर अवलोकन उपरांत पाया गया कि ग्राम घसाई के शासकीय सर्वे,620 भूमि पर 0,70हे भूमि के अंश पर अन आनावेदक का कब्जा है। भू राजस्व संहिता की धारा के अंतर्गत निहित प्रावधानों के अंतर्गत भूमि को बेदखल किया औरआवेदक को रु 5000 का जुर्माना अर्थ दंड से आरोपित किया। इस मौके पर राजस्व अधिकारी आर.आई कैलाश मैहर, पटवारी सुंदरलाल धाकड़ पटेल, कालू सिंह देवड़ा, पुलिस चौकी अधिकारी सुरेंद्र सिंह सिसोदिया, किसान संघ के प्रहलाद सिंह परिहार सचिव ग्राम पंचायत खुमान सिंह देवड़ा, एवं ग्रामीण जन उपस्थिति में वैकल्पिक रास्ते का अतिक्रमण हटाया।

क्या कहते हैं जवाबदार

राजस्व टीम गठित कर रूढ़िवादी रास्ते से अनावेदक का कब्जा हटाया बाबूलाल जैन शासन को गुमराह कर रहा था।

मोहित सिंह तहसीलदार सुवासरा

पुराना रास्ता हमें कानूनी लड़ाई से मिला रूढ़िवादी रास्ते को बंद कर रसूखदार बाबूलाल जैन का वर्षों से शासन को गुमराह कर अपने लिए नए, रास्ते शासन से ले लिया था हमें न्याय मिला और सत्य की विजय।

राजेंद्र धनोतिया पत्रकार

रूढ़िवादी रास्ते से अतिक्रमण हटवाकर रास्ते का ठीक-ठाक मोहर्रम का कार्य ग्राम पंचायत के जुम्मे किया है जल्दी से नया रोड करेंगे।

घनश्याम सिंह देवड़ा
सरपंच प्रतिनिधि

विजयवर्गीय समाज ने किया अभा स्तर पर पौधारोपण

मंदसौर, 14 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। अखिल भारतीय विजयवर्गीय महासभा के तत्वावधान में दिनांक 14 जुलाई रविवार को अखिल भारतीय स्तर पर स्थानीय इकाइयों के माध्यम से विजयवर्गीय वैश्य समाज द्वारा वृहत स्तर पर वृक्षारोपण किया गया है। इसी श्रृंखला में स्थानीय मंदसौर विजयवर्गीय समाज द्वारा भी वृक्षारोपण किया गया।

इस अवसर पर श्री भगवान दास विजयवर्गीय राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष (विजयवर्गीय वैश्य महासभा) ने बताया कि वृक्ष ही हमें जीवन दायिनी शक्ति देते हैं। इस बार विजयवर्गीय समाज द्वारा श्री महेश जी विजयवर्गीय राष्ट्रीय अध्यक्ष के मार्गदर्शन में अखिल भारतीय स्तर पर वृक्षारोपण कर एक अनोखी पहल कर अन्य समाज के लोगों को भी वृक्षारोपण जैसे महान कार्य हेतु आगे आने की प्रेरणा दी है। स्थानीय विजयवर्गीय समाज के अध्यक्ष सुनील विजयवर्गीय ने कहा कि विजयवर्गीय समाज देश के विकास के हर मुद्दे पर आगे बढ़कर सहयोग करता है। आज हमारे द्वारा जो पौधे लगाए जा रहे हैं उसके लिए ऐसे स्थान का चयन किया गया है जहां हमारी निगरानी में लगाए गए पौधों का पूर्ण पालन पोषण होगा। श्री प्रवेश विजयवर्गीय युवा संयोजक ने कहा कि पर्यावरण के बचाने के लिए विजयवर्गीय समाज के प्रत्येक सदस्य को कम से कम एक पौधा रोपित करने का संकल्प लेना चाहिए। पौधारोपण के पश्चात् सभी उपस्थित समाज बंधुओ ने स्वल्पाहार का आनंद लिया तत्पश्चात आभार प्रदर्शन सचिव श्री रामबाबू द्वारा प्रकट किया गया। इस अवसर पर विजयवर्गीय समाज के संरक्षक श्री बंसीलाल जी, श्री देवेंद्र कुमार जी, उपाध्यक्ष श्री कन्हैया लाल जी, कोषाध्यक्ष श्री अशोक कुमार जी मनासा वाले, श्री श्रीमननारायण जी, श्री राजेश जी, श्री ओमप्रकाश जी, श्री वल्लभ दास जी, श्री नरेंद्रजी, बृजेशजी, श्री दीपक जी, श्री प्रवेश जी तथा मातृशक्ति सर्व श्रीमती मंजू भगवानदासजी, श्रीमती पार्वती गोपालजी, श्रीमती कल्पना देवेंद्रजी, श्रीमती सरला सुनीलजी, श्रीमती शैल विनोद जी, श्रीमती करुणा नरेंद्रजी श्रीमती कोमल वल्लभ जी, श्रीमती रानू कन्हैया लालजी, श्रीमती चंदा दीपकजी, श्रीमती संगीता राजेशजी एवं श्रीमती डिंपल प्रवेशजी विजयवर्गीय उपस्थित थे।

स्व. श्रीमती अनुसूयाबाई पुराणिक की स्मृति में शैक्षणिक सामग्री वितरित की

मंदसौर, 14 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। लायंस क्लब डायनामिक द्वारा कन्या प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय शहर स्कूल पुरानी तहसील के परिसर में स्व. श्रीमती अनुसूयाबाई पुराणिक की स्मृति में 93 बालिकाओं को शैक्षणिक सामग्री का वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अपने उद्बोधन में वरिष्ठ पत्रकार डॉ. घनश्याम बटवाल ने कहा कि बालिकाओं के बीच आकर सुकून मिल रहा है। आप भारत का भविष्य है। आप परिवार व देश का नेतृत्व करने की क्षमता रखती है, जिस तरह से वर्तमान में महिलाएं अपनी प्रतिभा से विभिन्न क्षेत्रों में योगदान दे रही है उसी तरह आने वाले समय में इस विद्यालय की समस्त बालिकाएं अपनी अपनी रूचि के अनुसार निपूर्णता प्राप्त करके लक्ष्य को प्राप्त करेगी। आपके गुरूजन निरंतर शिक्षित कर रहे है और पुराणिक परिवार प्रतिवर्ष इस विद्यालय के लिये अपनी मातुश्री की स्मृति में शैक्षणिक सामग्री वितरित कर रहे है यह अनुकरणीय है। एक पौधा माँ के नाम, उसी तरह एक स्कूल मॉं के नाम उसी तरह एक स्कूल मॉं के नाम चरितार्थ किया जा रहा है।

विशिष्ट अतिथि नगरपालिका उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता चावला के कहा कि सती माता के रूप में ऋषि अग्नि की पत्नी. अनुसूया देवी थी, उनके तीन पुत्र थे दत्तात्रय, दुर्वा और चन्द्र। भगवान दत्तात्रेय हमारे गुरू रहे है, उन्होंने तीन संप्रदाय वैष्णव, शैव और शाक्त के संगम स्थल के रूप से शिक्षा दीक्षा दी, ऐसी ही शिक्षा स्व. श्रीमती अनुसूयाबाई पुराणिक ने प्रधानाध्यापिका के रूप में इस विद्यालय की छात्राओं को दी। साथ साथ समय समय पर उनकी मदद भी की। उसी कड़ी को आज उनके पुत्र डॉ. देवेन्द्र पुराणिक श्रवण कुमार बनकर इस विद्यालय के प्रति समर्पित भाव रखकर लम्बे समय से इस विद्यालय की बालिकाओं को शैक्षणिक सामग्री वितरित कर रहे है। मानस पटल पर उनकी स्मृति बनी रहे इसलिये यह एक श्रेष्ठ सेवा कार्य है। बेटियां आगे बढ रही है आप सभी अपनी पढ़ाई पर ध्यान देकर अपने जीवन के लक्ष्य को पूर्ण करें। कार्यक्रम के आयोजक डॉ. देवेन्द्र पुराणिक ने कहा कि हमारी मातुश्री ने शिक्षा विभाग के अंतर्गत प्रधानाध्यापिका के रूप में यहां 26 वर्ष अपनी सेवाएं दी और आज उनकी स्मृति में प्रतिवर्ष शैक्षणिक सामग्री वितरित करते हुए 26 वर्ष हो रहे है और यह क्रम आगे भी चलता रहेगा। हमें भी माताजी की तरह इस विद्यालय से लगाव है। इसलिये हम समर्पित है। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक दिनेश श्रोत्रिय ने भी संबोधित किया।

अंचल में अच्छी वर्षा की कामना

प्राकृतिक आपदाओं से रक्षा के लिए खेड़ा देवता का पूजन किया, सात जगह हवन किया

कुचड़ोद, 14 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। देवशयनी एकादशी से पहले प्रतिवर्षानुसार गांव में खेड़ा देवता का पूजन किया गया। मान्यता अनुसार खेड़ा देवता का पूजन हवन करने से अंचल क्षेत्र में शांति बनी रहती है। प्राकृतिक आपदाओं से रक्षा एवं अच्छी वर्षा होती हैं। इन्हीं कामनाओं को लेकर रविवार को ग्रामीणों के सहयोग से ग्राम वासियों ने गांव की राजस्व सीमा में स्थित सभी देवी देवताओं का ढोल के साथ पूजन किया गया। इस दौरान गांव में महादेव मठ स्थित शीतला माता मंदिर, खेड़ापति हनुमान मंदिर, लालबाई माता मंदिर, पंचमुखी बालाजी मंदिर, देवनारायण मंदिर, पंचमुखी बालाजी मंदिर एवं अंबा माता मंदिर सहित सात जगहों पर हवन किया गया। एवं आरती उतारी गई। पंडित पवन दीक्षित द्वारा हवन पूजन संपन्न कराया गया।

इन्होंने बताया प्रतिवर्ष देवशयनी एकादशी से पहले ग्रामीणों के सहयोग से अच्छी वर्षा एवं प्राकृतिक आपदाओं से रक्षा के लिए गांव की सीमा में स्थित सभी देवी देवताओं का पूजन किया जाता। सात जगह हवन किया गया। देवी देवताओं के पूजन हवन से अंचल में तेज आंधी, आगजनी की घटनाओं, सहित प्राकृतिक आपदाओं से रक्षा होती है। बीमारियों का प्रकोप नहीं होता है। एवं अंचल में अच्छी बारिश होती है। खेड़ा देवताओं के हवन पूजन के दौरान ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

मुस्लिम महासभा ने आयोजित किया विशाल ब्लड डोनेशन कैम्प, 172 युवाओं ने किया ब्लड डोनेट

मंदसौर, 14 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। मुस्लिम महासभा के बैनर तले रविवार को मन्दसौर जिला चिकित्सालय में शहीदाने करबला की याद में विशाल ब्लड डोनेशन कैंप(रक्तदान शिविर) का आयोजन किया गया। जिसमें आस-पास के कई क्षेत्रों से भी 172 युवाओं ने जिला चिकित्सालय पहुंचकर रक्तदान किया।

काजी ए शहर आसीफुल्लाह ने कहा कि मुस्लिम युवाओं का समाजसेवा के क्षेत्र में उठाया यह कदम काबिले तारीफ है। सदर अंजुमन ए इस्लाम सादिक हुसैन ने कहा कि शहीदाने करबला की याद में मुस्लिम महासभा द्वारा ब्लड डोनेशन कर अच्छा संदेश दिया है। विधायक विपिन जैन ने कहा कि कई बार बीमार आम लोगों को समय पर ब्लड नहीं मिल पाता है। इस तरह के कैम्प के आयोजन होते रहना चाहिए जिससे युवा समाजसेवा से जुड़ेंगे। पूर्व नपाध्यक्ष हनीफ शेख ने मुस्लिम महासभा के कैम्प की सराहना की। मुस्लिम महासभा जिलाध्यक्ष आमिर पठान ने बताया कि मुस्लिम महासभा तालीम, तंजीम, तिजारत और तरक्की को मद्देनजर रखते हुए सर्व धर्म समुदाय के लिए समाज सेवी संस्था के रूप में काम कर रही है। इस अवसर पर नपा नेता प्रतिपक्ष रफत पयामी, मेव समाज अध्यक्ष असगर मेव साहब, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष खलील शेख, पूर्व पार्षद आसिफ सेठ, रउफ खा, खलील खान, चांद मंसूरी, इमरान मेव मयूर मीनाक्षी, लाला भाई सब्जी फरोश, सईद मेव बोरदा, सादिक गोरी, गफ्फार नीलम, आमिर शाह पेंटर, हमीद मेव, इस्माइल शाह, आबिद मेव, हाशिम शेख, शाहरुख मिर्जा सहित शहर के गणमान्य नागरिकगण एवं मुस्लिम महासभा मन्दसौर के पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित थे। अंत में आभार पूर्व पार्षद साबिर हुसैन ने माना।

कलेक्टर आज ई-जनसुनवाई करेंगे

नीमच, 14 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिनेश जैन प्रति सप्ताह सोमवार को ई जनसुनवाई कर ग्रामीणों की समस्याओं से रूबरू होते हैं। इसी क्रम में आज सोमवार 15 जुलाई को कलेक्टर श्री जैन कलेक्टोरेट नीमच से वीडियो कॉन्फ्रेंसिग के जरिए नीमच ब्लॉक की ग्राम पंचायत हरवार, भरभडिया, बिसलवास कलां, कानाखेडा, अडमालिया के ग्रामीणों से रूबरू होकर उनकी समस्याएं सुनेंगे और उनका निराकरण करेंगे। ई-जनसुनवाई सोमवार 15 जुलाई 2024 को प्रात: 10 बजे से होगी।

दिनांक 15 जुलाई 2024

अपनी कुण्डली स्वयं देखे-
ज्योतिषाचार्य पंडित यशवंत जोशी के साथ

क्या आप जानते है..?

✻ वृषभ लग्न की कुण्डली में शनि गृह विशेष योगकारी होता है ऐसी स्थिति मे शुभ स्थिति में बैठे शनि पर शुक्र या बुध की दृष्टि पड़ जाये तो इनकी दशा-अंतर दशा में जातक को विशेष भाग्य साथ मिलेगा, कार्योन्नति होगी, पद प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे।

जय दुर्गा ज्योतिष सेवा संस्थान एवं अनुष्ठान केंद्र मंदसौर
7024667840,8085381720

गोपाल गौशाला में होगा वृहद स्तर पर पौधारोपण

परिसर की साफ-सफाई हेतु पर्यावरण मित्र नियमित 2 से 4 घंटे कर रहे हैं श्रमदान

नीमच, 14 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। प्राणी जगत के लिए वृक्ष जीवनदाता है, वृक्ष के बिना जीवन संभव नहीं है, वृक्ष इस धरा का गहना है, प्रकृति ने जीवन जीने के लिए इस धरा पर हमें सब कुछ दिया है किंतु स्वार्थ एवं विकास की अंधाधुंध में चहुं ओर पर्यावरण को नष्ट करने में भी कोई कसर नहीं छोड़ी, प्रकृति के साथ छेड़छाड़ का नतीजा बढ़ता तापमान जलवायु परिवर्तन ग्लोबल वार्मिंग जैसी घटनाएं मानव जीवन के लिए ख़तरनाक साबित हो रही है, आने वाली पीढ़ी को स्वच्छ सुंदर पर्यावरण युक्त, प्रदुषण मुक्त वातावरण बनाना हम सभी का दायित्व है इसी उद्देश्य को लेकर संकल्प पर्यावरण मित्र संस्था नीमच विगत 10 वर्षों से निरन्तर अभियान चला कर शहर से गांव तक चहुंओर पोधा रोपण कर पेड़ बनाने के कार्य में जुटी हुई संस्था संरक्षक नवीन अग्रवाल, अध्यक्ष किशोर बागड़ी ने बताया कि संस्था द्वारा प्रतिवर्ष 1 हजार से अधिक पोंधे रोपित कर उन्हें संरक्षित किया जाता है, पोधो की बच्चे की तरह देखभाल की जाती है, तभी हम इस अभियान में सफल हो पाते हैं, वर्तमान परिप्रेक्ष्य में देखा गया है कि लोग नाम एवं फोटो के लिए पोंधे रोपित कर उन्हें भुल जाते हैं, वर्तमान वर्तमान वर्षाकाल में जो भी संस्था व्यक्ति पोधा रोपण करें तो पोंधे को पेड़ बनाने का संकल्प लें एवं समय समय पर पोंधे की देखभाल जरूर करें अन्यथा एक छोटे-से पोंधे को नाम एवं फोटो के लिए रोपित कर नष्टन करें, संस्था द्वारा इस वर्षाकाल में हवाई अड्डा मार्ग स्थित गोपाल गौशाला परिसर में वृहद स्तर पर 1201 से अधिक पोंधे रोपित किए जाएंगे इस हेतु संकल्प पर्यावरण मित्र संस्था एवं विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल के सदस्यों द्वारा नियमित 2 से 4 घंटे श्रमदान कर परिसर से कंटीली झाड़ियों को हटा कर पोधा रोपण हेतु साफ-सफाई कर पोंधे हेतु जगह बनाई जा रही है, पोंधे रोपित हेतु 1 हजार से अधिक गड्डे कर दिए गए हैं, अभियान में निर्मल देव नरेला की टीम नियमित सहयोग कर रही है, संस्था सदस्यों द्वारा रविवार को प्रात: 7 से 11 बजे तक 4 घंटे श्रमदान कर गंदा कचरा, कांच की बाटले आदि एकत्रित करने के साथ ही कंटीली झाड़ियों की साफ-सफाई की गई अभियान में संस्था संरक्षक नवीन अग्रवाल, अध्यक्ष किशोर बागड़ी, सचिव डॉ राकेश वर्मा, उपाध्यक्ष राजकुमार सिन्हा, विश्व हिन्दू परिषद के निर्मल देव नरेला, विनोद जैसवार, राजकुमार नरेला, संजय चौरसिया, विरू पोरवाल, पवन जैसवार, राहुल आदि ने सहभागिता निभाई, उक्त जानकारी विश्व हिन्दू परिषद के निर्मल देव नरेला ने दी है।

जिले के सभी किसान 31 जुलाई तक कराएं फसल बीमा

मंदसौर, 14 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंदसौर द्वारा बताया गया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत किसान जिले में एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी आफ इंडिया लिमिटेड के माध्यम से अपनी खरीफ फसलों का बीमा 31 जुलाई 2024 तक करा सकते है। ऋणी कृषकों को संबंधित वित्तीय संस्था के माध्यम से फसल बीमा किया जाएगा, जबकी अऋणी कृषक संबंधित बैंक, कॉमन सर्विस सेंटर, पोस्ट ऑफिस, जिले में संचालित सहकारी केन्द्रीय बैंक साथ ही एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी के प्रतिनिधियों द्वारा संपूर्ण जिले में अऋणी कृषकों का फसल बीमा करा सकते है। अऋणी कृषकों के लिए बीमा कराने हेतु दस्तावेज भू अधिकार पुस्तिका या बी-1, आधार कार्ड, बैंक पासबुक की प्रति तथा फसल बुवाई प्रमाण पत्र आवश्यक है, जिसे किसान स्वयं स्वप्रमाणित कर सकता है। अधिक जानकारी के लिए फसल बीमा के टोल फ्री नंबर 18005707115 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

आठ दिवसीय सिद्धचक्र महामंडल विधान प्रारम्भ

भानपुरा, 14 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। विद्यासागर दिगम्बर जैन महिला मंडल के तत्वावधान में दिगम्बर जैन सरावगी मंदिर पंचायत द्वारा नवनिर्मित विद्यासागर संत निवास में आज से 8 दिवसीय सिद्धचक्र महामंडल का शुरू हुआ। इसमे सर्वप्रथम सरावगी मंदिर से घटयात्रा निकली जो कि नगर के मुख्य मार्गो से होती हुई नवनिर्मित संत निवास पहुँची। जिसमें समस्त समाजजनों ने भाग लिया। कार्यक्रम की पूर्व संध्या पर नवनिर्मित संत निवास के शुभारंभ के अवसर पर भक्तामर पाठ का आयोजन किया गया एवं कार्यक्रम में मुख्य पात्रों का चयन बोली के माध्यम सनत जी शास्त्री एवं सिद्धार्थ जैन शास्त्री के सानिध्य में हुआ। उल्लेखनीय है कि उक्त विधान में 8 दिन तक सुबह शाम मंदिर में विधान एवं अन्य कार्यक्रम होंगे। प्रतिदिन शाम को आरती निकलेगी। विद्यासागर महिला मंडल की अध्यक्ष अलका हरसोला ने बताया कि मंडल हर वर्ष 8 दिवसीय विधान का आयोजन अलग अलग मंदिरो में करता है। उन्होंने सभी समाजजनों से अधिक से अधिक संख्या में विधान में भाग लेने की अपील की।

देवड़ा ने प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस का उद्घाटन एवं विद्यार्थी हेतु बस सेवा का शुभारंभ किया

पीजी कॉलेज परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत उपमुख्यमंत्री ने पौधारोपण किया, उपमुख्यमंत्री ने बच्चों के साथ बस में सवारी की

मंदसौर, 14 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग द्वारा राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मंदसौर को प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस घोषित किया गया। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस का उद्घाटन एवं विद्यार्थी हेतु बस सेवा का शुभारंभ केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह एवं मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की अध्यक्षता में श्री अटल बिहारी वाजपेई शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय इंदौर से वर्चुअल माध्यम से किया गया। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण कुशाभाऊठाकरे ऑडिटोरियम मंदसौर में किया गया।प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मंदसौर में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा शामिल हुए। साथ ही उद्घाटन एवं बस सेवा शुभारंभ अवसर पर राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर, जिला पंचायत अध्यक्षा श्रीमती दुर्गा विजय पाटीदार, सुवासरा विधायक श्री हरदीप सिंह डंग, मंदसौर विधायक श्री विपिन जैन, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, पूर्व विधायक श्री यशपाल सिंह सिसोदिया, महाविद्यालय स्थानीय प्रबंधन समिति अध्यक्ष श्री नरेश चंदवानी, श्री नानालाल अटोलिया, श्री मदनलाल राठौर, स्थानिय जनप्रतिनिधि, पुलिस अधिक्षक श्री अनुराग सुजानिया, सीईओ जिला पंचायत श्री कुमार सत्यम, प्राचार्य एवं सचिव डॉ बी आर नलवाया मौजूद थे।

उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवडा ने प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस मंदसौर का उद्घाटन एवं विद्यार्थी हेतु बस सेवा का शुभारंभ फीता काटकर किया।इसके साथ ही उपमुख्यमंत्री ने ई लाइब्रेरी का भी शुभारंभ किया। शुभारम्भ कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ, म.प्र. हिन्दी ग्रन्थ अकादमी पुस्तक सहायता केन्द्र, स्वामी विवेकानन्द कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ व युवा संसाधन केन्द्र एवं विद्या वन एवं बस सेवा का शुभारम्भ भी किया गया। इस अवसर पर सभी अतिथियों द्वारा एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत महाविद्यालय परिसर में वृहत् स्तर पर पौधारोपण किया गया। उपमुख्यमंत्री श्री देवड़ा द्वारा कहा गया कि बच्चे भाग्यवान है, जिनको अब सभी प्रकार की सुविधा मिल रही है। अब महाविद्यालय में सभी व्यवस्थाएं प्रारंभ होगी, जो व्यवस्थाएं आज तक संचालित नहीं हो रही थी। वह अब संचालित होगी। वर्ष 2047 तकभारत विश्व में सबसे अधिक शक्तिशाली एवं विकसित राष्ट्र होगा। उस दिशा में हम सबको कार्य करना है। प्रधानमंत्री ने आगामी 25 वर्षों की रोड मैप बनाया है। यह सब उसी का हिस्सा है। सरकार बेहतर से बेहतरीन कार्य करने का प्रयास कर रही है। हमारे बच्चे बहुत अच्छी शिक्षा प्राप्त करें इसके लिए सरकार इसी दिशा में लगातार कार्य कर रही है। शिक्षा कभी भी व्यर्थ नहीं जाती। इसलिए सभी बच्चे शिक्षा ग्रहण करें। यह एक ऐसा संपति है जिसको कोई चुरा नहीं सकता। सभी बच्चे अच्छी पढ़ाई करें, अच्छे से संस्कार ग्रहण करें और देश का नाम रोशन करें। सभी बच्चों में देश के प्रति प्रेम एवं लगाव होना चाहिए। तभी विकसित भारत का संकल्प जल्दी सिद्ध होगा।

राज्यसभा सांसद श्री गुर्जर द्वारा कहा गया कि समर्पण एवं कल्पना को साकार किया गया है। नई पीढ़ी के लोग बहुत सौभाग्यशाली हैं, जिनको अब शिक्षा के क्षेत्र में सारी सुविधाएं प्राप्त होगी। शिक्षा के क्षेत्र में जो तकलीफ थी उसको दूर किया गया है। संभावनाओं पर तेज गति से कार्य किया जा रहा है। लॉ कॉलेज में कंप्यूटर लैब भी जल्द शुरू होगी। अब मंदसौर में भी ऑनलाइन परीक्षा केंद्र शुरू हो जाएंगे। इसके साथ ही कार्यक्रम के दौरान जिला पंचायत अध्यक्षा श्रीमती पाटीदार, सुवासरा विधायक श्री डंग, मंदसौर विधायक श्री जैन, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती गुर्जर, पूर्व विधायक श्री सिसोदिया, महाविद्यालय स्थानीय प्रबंधन समिति अध्यक्ष श्री चंदवानी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर माननीय श्री मदनलाल राठौर (पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष, मन्दसौर), श्री विजय गर्ग (अभाविप जिला संयोजक), माननीय प्रभारी कलेक्टर एवं जिला पंचायत अधिकारी श्री कुमार सत्यम, पुलिस अधीक्षक श्री अनुराग सुजानिया, एस.डी.एम मन्दसौर, महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य, महाविद्यालय के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी, एन.एस.एस. एवं एन.सी.सी. के स्वयंसेवक, महाविद्यालय के छात्र, मीडिया कर्मी उपस्थित थे। साथ ही शासकीय कन्या महाविद्यालय मन्दसौर के प्राचार्य, सम्पूर्ण स्टॉफ एवं छात्राएं भी इस शुभारम्भ कार्यक्रम में उपस्थित थी।कार्यक्रम का संचालन डॉ जेके जैन द्वारा किया गया।

***** त्वरित टिप्पणी *****

घरेलू हिंसा के कारण उत्पन्न होने वाली ऐसी घटनाएं समाज के लिए चेतावनी है

मंदसौर, 14 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। सुगना बाई द्वारा अपने चार मासूम बच्चों के साथ कुएं में कूदकर आत्महत्या करने का प्रयास करना, हमारे समाज में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा की स्थिति पर गंभीर सवाल खडे करता है।

गरोठ में घटी यह घटना न केवल हृदयविदारक है, बल्कि समाज में व्याप्त घरेलू हिंसा की गंभीरता को भी उजागर करती है। मंदसौर जिले के पीपलखेड़ा गांव में सुगना बाई द्वारा अपने चार मासूम बच्चों के साथ कुएं में कूदकर आत्महत्या करने का प्रयास करना, हमारे समाज में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा की स्थिति पर गंभीर सवाल खडे करता है। सुगना बाई का अपने पति के शराबी व्यवहार और निरंतर उत्पीडन से त्रस्त होकर ऐसा कदम उठाना, यह दर्शाता है कि घरेलू हिंसा एक गहन समस्या है। रोड सिंह बंजारा का अपनी पत्नी के साथ अमानवीय व्यवहार केवल उसकी जीवन की कठिनाइयों को बढ़ाता था, जिसका परिणाम यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना बनी। घटना के समय ग्रामीणों ने सूझबूझ और साहस का परिचय देते हुए सुगना बाई को बचा लिया, लेकिन उसके चार मासूम बच्चों को बचा पाना संभव नहीं हो पाया। यह चारों बच्चों की मौत एक असीम दुख का विषय है और उनके परिवार के साथ-साथ पूरे गांव को शोक में डुबो दिया। घरेलू हिंसा के कारण उत्पन्न होने वाली ऐसी घटनाएं समाज के लिए चेतावनी है। इनसे यह स्पष्ट होता है कि महिलाओं और बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए कठोर कदम उठाने की आवश्यकता है। पुलिस और प्रशासन को चाहिए कि वे ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ठोस उपाय करें और उत्पीडन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। सुगना बाई की वर्तमान स्थिति स्थिर है, लेकिन उसका जीवन अब भी संघर्षमय है। पुलिस द्वारा इस मामले की जांच और सुगना बाई को न्याय दिलाने के प्रयास सराहनीय हैं, लेकिन इसके साथ ही समाज के प्रत्येक सदस्य की जिम्मेदारी है कि वे घरेलू हिंसा के खिलाफ आवाज उठाएं और ऐसे मामलों की रिपोर्ट करें। यह घटना समाज में एक गहरी चोट छोडती है और हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि हम अपने आसपास हो रहे अत्याचारों के प्रति कितने संवेदनशील हैं। महिलाओं के प्रति हिंसा को समाप्त करने के लिए जागरूकता और शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका है। समाज को एकजुट होकर महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए प्रयास करना होगा, ताकि भविष्य में ऐसी दुखद घटनाएं दोहराई न जाएं।

–नेमीचंद राठौर, मंदसौर

पुरी:जगन्नाथ मंदिर का रत्न भंडार 46 साल बाद खुला

पुरी, 14 जुलाई। ओडिशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ मंदिर का प्रतिष्ठित खजाना 'रत्न भंडार' आज खुल गया है। राज्य सरकार ने आभूषणों और अन्य कीमती सामानों की सूची बनाने के लिए इस खजाने को 46 साल बाद खोला है। इससे पहले यह सन् 1978 में खोला गया था। यहां के कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने बताया कि रत्न भंडार के खुलने के बाद कैसे क्या रिकॉर्ड दर्ज किया जाएगा। साथ ही यह भी बताया कि इस पूरी प्रक्रिया की निगरानी कौन करेगा। जगन्नाथ मंदिर के बाहर आरएएफ कर्मी तैनात किए गए हैं। पुरी के एसपी पिनाक मिश्रा का कहना है कि सब कुछ मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार किया जा रहा है। उच्च स्तरीय समिति और उसके सदस्य बाहर आने के बाद जानकारी देंगे।

इसे सौंपी पूरे काम की निगरानी– रत्न भंडार खुलने से पहले मंत्री हरिचंदन ने कहा, '14 जुलाई यानी आज भगवान जगन्नाथ मंदिर का रत्न भंडार खुलने जा रहा है। इसके लिए अंतिम मंजूरी मुख्यमंत्री ने दे दी है। राज्य सरकार ने मंदिर प्रबंध समिति के लिए सभी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की है और उसी के आधार पर सभी काम किए जाएंगे। खजाने को फिर से खोलने और इन्वेंट्री के लिए प्रत्येक कार्य को पूरा करने के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रियाएं भी तय की गई हैं। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) के मुख्य प्रशासक को पूरे काम की निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने आगे कहा, 'पिछली सरकारें जो 24 साल में काम नहीं कर पाई वो अब होगा। इस पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता को रखने के लिए हमने भारतीय रिजर्व बैंक को शामिल करने का अनुरोध किया था, जिसे स्वीकार कर लिया गया है। भारतीय रिजर्व बैंक के एक प्रतिनिधि को इसमें शामिल किया जाएगा।

हर काम के लिए अलग–अलग टीमें– उन्होंने बताया, हर किसी गतिविधि के लिए अलग-अलग टीमें बनाई गई हैं। गहनों की गिनती के बाद हम एक डिजिटल कैटलॉग बनाएंगे, जिसमें तस्वीरें, उनका वजन और गुणवत्ता जैसी अन्य चीजें शामिल होंगी। इन सभी चीजों के साथ एक डिजिटल कैटलॉग बनाया जाएगा। डिजिटल कैटलॉग एक संदर्भ दस्तावेज होगा। जब भी आगे आने वाले दिनों में फिर से गिनती की जाएगी, तो उसमें इसकी मदद ले सकते हैं।

तीन भागों में आवश्यक एसओपी जारी की– जगन्नाथ मंदिर रत्न भंडार को फिर से खोलने के लिए गठित पैनल के अध्यक्ष और ओडिशा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश विश्वनाथ रथ ने कहा, जैसा कि तय किया गया था और जैसा कि सभी जानते हैं, सरकार ने तीन भागों में आवश्यक एसओपी जारी कर दिए हैं- एक रत्न भंडार खोलने के लिए है, फिर दोनों भंडारों में रखे आभूषणों और कीमती सामानों को गर्भगृह के अंदर पूर्व-आवंटित कमरों में ले जाना।

रत्न भंडार में 12,831 तोले के स्वर्ण आभूषण– इससे पहले, पुरी के जिला कलेक्टर सिद्धार्थ शंकर स्वैन ने बताया कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) इस मौके का इस्तेमाल मंदिर की मरम्मत के लिए करेगा। राज्य सरकार की गठित 16 सदस्यीय उच्च स्तरीय समिति ने रत्न भंडार को 14 जुलाई को खोलने की सिफारिश की थी। राज्य विधानसभा में 2018 में बताया गया था कि रत्न भंडार में 12,831 तोले के स्वर्ण आभूषण हैं। इनमें कीमती रत्न जड़े हुए हैं और साथ ही 22,153 तोले चांदी के बर्तन और अन्य सामान हैं।

भाजपा ने खजाना खोलने का वादा किया था– भाजपा ने ओडिशा में सत्ता में आने पर 12वीं सदी के मंदिर के खजाने को फिर से खोलने का वादा किया था। मंदिर का खजाना आखिरी बार 46 साल पहले 1978 में खोला गया था। इसे दोबारा खोलना राज्य में लोकसभा और विधानसभा चुनावों के दौरान एक प्रमुख राजनीतिक मुद्दा था।

फरियादी युवती ने लगाया थाना प्रभारी व पुलिसकर्मियों पर कमरे में बंद कर मारपीट का आरोप...

थाना प्रभारी ने कहा आरोप गलत, स्वेच्छा से युवक के साथ गई थी युवती

पिपलियामंडी, 14 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। पिपलिया पुलिस पर फरियादी युवती व उसके परिवार के साथ मारपीट करने का आरोप लगा। ग्रामीणों ने पुलिस थाने पहुंच विरोध जताया व एसपी के नाम ज्ञापन सौंपा। इधर थाना प्रभारी ने आरोप को गलत बताया व कहा कि जिस युवक के खिलाफ युवती रिपोर्ट दर्ज कराने आई थी, उसके साथ स्वेच्छा से गई थी, इसका वह बयान भी दे चुकी थी। जानकारी के अनुसार गांव मुन्देड़ी की युवती ने एसपी के नाम दिए आवेदन में बताया कि दो माह पूर्व मुन्देड़ी निवासी मुकेश पिता शम्भूलाल व मांगीलाल पिता भेरुलाल उसे नौकरी दिलाने के बजाने जावरा ले गए, फिर आकोदड़ा निवासी दुर्गेश पिता सत्यनारायण को 05 लाख रुपए में बेच दिया और मेरे साथ ज्यादती की। मैं जैसे-तेसे दुर्गेश के चंगुल से बचकर अपने गांव आई व परिजनों को घटना बताई। पिपलिया पुलिस थाने पर आवेदन दिया, लेकिन कोई कारवाई नही की। एसपी कार्यालय में आवेदन देने के बाद पिपलिया पुलिस ने 13 जुलाई को बयान के लिए थाने पर बुलाया। मैं, मेरे पिता व मेरा भाई तीनों बयान देने पुलिस थाने पर गए तो वहां मौजूद एसआई नीतिन कुमावत, एसआई इंदिरा, प्रधान आरक्षक राजवीर यादव, आरक्षक दुर्गा ने बयान लेने के लिए कमरे में बुलाया और तीनों के साथ मारपीट कर धारा 151 में बंद कर दिया। युवती ने आरोप लगाया कि पुलिस ने मारपीट के बाद हम पर दबाव बनाया कि जिस व्यक्ति के खिलाफ तुम शिकायत कर रहे हो, उससे राजीनामा कर लो, नही तो बड़े केस में फसा देंगे। बाद में पुलिस ने एक बयान बनाकर जबरन मेरे हस्ताक्षर करवा लिए और धमकी दी कि अगर एसपी, कलेक्टर को शिकायत करेगी तो ठीक नही रहेगा।

फरियादी को पुलिस थाने में बुलाकर मारपीट करना गलत:– कृषि मंडी के पूर्व उपाध्यक्ष कमलेश पटेल ने आरोप लगाया कि बयान लेने के लिए फरियादी को पुलिस थाने में बुलाकर परिवार सहित पिटाई करना, धमकी देना व धारा 151 में बंद करना दुर्भाग्यपूर्ण है, इसकी जितनी निंदा की जाए कम है। पटेल ने बताया कि पुलिस थाने में लगे सीसीटीवी फुटेज में सपष्ट देखा जा सकता है कि पुलिसकर्मियों द्वारा फरियादी व उसके परिवार के साथ मारपीट की गई, पटेल ने एसपी से दोषी पुलिस अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई कर उन्हें बर्खास्त करने की मांग की।

आरोप गलत, युवती खुद स्वेच्छा से गई थी:– पिपलिया थाना प्रभारी नीतिन कुमावत का कहना है युवती द्वारा लगाए आरोप गलत है, युवती अपनी मर्जी से युवक के साथ गई थी, कुछ दिनों बाद में युवती ने जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय में भी अपने बयान दिए कि वह स्वयं स्वेच्छा से गई थी और युवक के साथ रहना चाहती है। लेकिन कुछ माह बाद युवती ने पुन: आकर युवक व उसके मित्रों के खिलाफ बहला-फुसलाकर भगा ले जाने व दुष्कर्म करने की शिकायत कराई। आवेदन लेने के बाद मामले की जांच करने की कहा तो युवती व परिजनों ने दबाब बनाया कि अभी की अभी एफआईआर करना पड़ेगी और हंगामा किया एक आरक्षक के साथ भी बदतमीजी की। थाने में हंगामा करने के कारण 151 में केस दर्ज किया था।

आईजा के जिलाध्यक्ष पद पर फांफरिया नियुक्त

मंदसौर, 14 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। ऑल इंडिया जैन जर्नलिस्ट एसोसिएशन (आईजा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष हार्दिक हुंडिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पवन नाहर, राष्ट्रीय सलाहकार प्रदीप जैन इंदौर की सहमति से प्रदेश अध्यक्ष डॉ प्रदीप बाफना बड़ावदा व प्रदेश महासचिव दीपक दुग्गड व प्रदेश उपाध्यक्ष महावीर जैन की अनुशंसा पर मंदसौर जिला अध्यक्ष पद पर विजयेन्द्र फांफरिया को नियुक्त किया गया है। प्रदेश अध्यक्ष बाफना ने मंदसौर पहुंच कर प्रदेश उपाध्यक्ष जैन की उपस्थिति में नियुक्ति पत्र देकर श्री फाफरिया का सम्मान किया गया।

श्री बाफना ने बताया कि आपका कार्यकाल 7 जुलाई 2024 से 21 जुन 2026 तक रहेगा। आप संगठन सेवा के पथ और आईजा के रथ पर जैन शासन प्रभावना में अपना सम्पूर्ण योगदान देंगे यही अपेक्षा करते हैं। प्रदेश उपाध्यक्ष महावीर जैन ने कहा कि ऑल इंडिया जैन जर्नलिस्ट एसोसिएशन (आईजा) जैन पत्रकारों के हितों के लिए लम्बे समय से कार्य कर रहा है और आगे भी करता रहेगा। मंदसौर जिले में भी अब संगठन सक्रियता के साथ संचालित किया जायेगा।बहुत जल्दी सभी पदाधिकारीयो का इन्दौर में शपथ विधि समारोह को आयोजन किया जाएगा।

बदस्तूर जारी अवैध रिफलिंग.... पेज 1 से जारी

धरपकड़ जब-जब भी खाद्य विभाग करता है, उन्हें गैस रिफलिंग की रसीद मिल जाती है। खाद्य विभाग को वाहन चालकों के पास से गैस रिफलिंग की रसीदें कहां से मिल जाती है, यह सवाल भी बड़ा बना हुआ है।

कई बार हो चुकी है वाहनों के जलने की घटनाएं–शहर सहित जिलेभर में अथवा हाईवे पर वाहनों के चलते–चलते आग लगने की घटनाएं हो चुकी है। इसमें वायरिंग सिस्टम में शार्ट सर्किट की कहानी बताई जाती है। हालांकि, इससे भी आगजनी होती है। लेकिन, गैस से चल रहे वाहनों में आग लगने की घटनाएं अक्सर बवलती होती है।

गांव व कस्बा स्तर पर ज्यादा चलती है गैस चलित गाड़ियां-पेट्रोल के दाम बढ़ते रहते हैं, इसके कारण गैस चलित वाहन सस्ते में पड़ने लगे हैं। कुछ समय पूर्व घरेलू गैस के दाम भी घटने से वाहन चालकों को और फायदा पहुंच रहा है। अवैध रिफलिंग सेंटर भी गुलजार हैं। गांव व कस्बा स्तर पर सबसे ज्यादा गैस से गाड़ियां दौड़ाई जा रही है।

फोरलेन कनेक्टिवीटी की मांग... पेज 1 से जारी

नगर बंद करने की बात भी कहीं जा रही थी। बता दे की भवानीमंडी, सिलेंहगढ, बोलिया को फोरलेन से जोडने की मंशा से गरोठ विधायक चंद्रसिंह सिसोदिया ने भी ग्राम ढाबला गुर्जर से कनेक्टिविटी की मांग विगत दिनों उठाई है। विधायक सिसोदिया के अनुसार गरोठ बोलिया मार्ग से बड़े लोडिंग वाहन भी ढाबला गुर्जर कनेक्टिविटी पर आसानी से परिवहन कर सकते हैं। इधर एक विधानसभा में एक कनेक्टिविटी नियम का हवाला देकर संबंधित विभाग सुवासरा विधानसभा में घसोई कनेक्टिविटी शो कर रहा है।

महिला से मोबाईल पर परिचित बनकर की 40 हजार की ठगी

पिपलियामंडी, 14 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। महिला के साथ 40 हजार रुपए आनलाइन ठगी हो गई। जिसकी शिकायत पुलिस चोकी में दर्ज कराई। जानकारी के पिपलिया पुराना अस्पताल मार्ग निवासी बसन्त शर्मा ने पिपलिया चोकी पर शिकायत दर्ज कराई कि उनकी पत्नी सुनीता शर्मा के मोबाइल पर 7894026365 नम्बर से कॉल आया, वह परिचित बताकर बातचीत करने लगा, पारिवारिक बातें भी की। वह फिर बोला कि मेरे मोबाइल से ट्रांजेक्शन नही हो रहा है, मैं आपके फोन पे नम्बर पर 40 हजार रुपए डलवा रहा हूं, इसे आप 7619642319 नम्बर पर फोन पे कर दो। बातचीत के दौरान ही उसने 40 हजार रुपए फोन पे पर डालने का फर्जी मेसेज किया। इस मैं आ गया, मेरी पत्नी ने मोबाइल मुझे दे दिया, मैंने भी परिचित व्यक्ति से बातचीत की, मुझे आवाज में बदलाव लगा तो शंका हुई, तो मैंने कॉल कट कर अपने मोबाइल से परिचित व्यक्ति के नम्बर पर कॉल किया। तो उसने इस तरह किसी भी प्रकार के ट्रांजेक्शन के बारे में अनभिज्ञता जाहिर की। फिर हमने खाता चेक किया तो 40 हजार रुपए खाते से कट चुके थे। शर्मा ने ऑनलाइन ठगी करने वाले के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

मामला जांच में लिया है, आमजन सतर्क रहे...

चौकी प्रभारी रितेश नागर का कहना है शिकायत पर मामला जांच में लिया है, साइबर सेल को भी अवगत कराया है। चोकी प्रभारी ने बताया कि आमजन साइबर ठगी को लेकर सतर्क रहे। किसी अनजान नम्बर से कॉल आती है और वह लेन-देन की बात करता है तो तत्काल सतर्क हो जाए और लेन-देन नही करे। साथ ही पुलिस के नाम से भी कोई कॉल करता है और किसी सदस्य के केस में अरेक्ट होने पर रुपयों की मांग करता है तो भी आनलाइन रुपए किसी को नही डलवाए। नागर ने यह भी अपील की कि सोशल साइडों पर फायदा बताकर लिंक क्लिक करने की कहा जाता है, वह भी नही करें।

शासकीय महाविद्यालय दलौदा में विद्यार्थियों ने लाइव प्रसारण देखा

दलौदा, 14 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय दलौदा में स्थानीय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष माननीय श्री हेमंत जी धनोतिया एवम् प्राचार्य श्री शैलेंद्र मालीवाड़ की उपस्थिति में लाइव प्रसारण कार्यक्रम देखा गया। ज्ञात हो की मध्य प्रदेश के समस्त 55 जिलों में शासन द्वारा जिले के अग्रणी महाविद्यालयों का उन्नयन कर 'प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस' घोषित किया गया है। इसका उदघाटन कार्यक्रम श्री अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, इंदौर में आयोजित हुआ। भारत सरकार के केंद्रीय गृहमंत्री माननीय श्री अमित शाह जी के मुख्य आतिथ्य एवं मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी की अध्यक्षता में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। प्रधामनंत्री कॉलेज ऑफ एक्सिलेंस में बहुसंकाय पाठ्यक्रम तथा अन्य सभी सुविधाओं का लाभ सभी विद्यार्थीयों को मिलेगा। लाइव प्रसारण कार्यक्रम में तकनीकी सहयोग प्रो. तोसिफ नागौरी एवं प्रो .अमीर खान ने किया। कार्यक्रम में प्रो. अरुणा नापित, डॉ. इरसाद मीर, प्रो.रज़्ज़क मेवा फरोस, डॉ. नीरज कुमार जोशी, डॉ. दीप्ति श्रीवास्तव, प्रो. पंकज शर्मा, प्रो.राजेश हाड़ा, प्रो . विकाश प्रजापति, डॉ.ओंकार सिंह रावत , रमेश बोराना तथा विद्यार्थी उपस्थित थे। उक्त जानकारी डॉ. ओंकार सिंह रावत ने दी।

खेत में भैंस हटाने को लेकर हुआ था विवाद, हत्या करने वाले 2 बेटों, बेटी और पिता को आजीवन कारावास

रतलाम, 14 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। यहां द्वितीय अपर सत्र न्यायालय ने एक युवक की हत्या करने के मामले में उसके काका विश्राम डिंडोर (60 वर्ष) निवासी ग्राम गोपालपुरा थाना को आजीवन कारावास की सजा सुनई है। कोर्ट ने विश्राम डिंडोर के अलावा उसके 27 वर्षीय पुत्र साधुलाल डिंडोर व 22 वर्षीय मुकेश डिंडोर और 23 साल की बेटी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। चारों अभियुक्तों पर 1000-1000 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है।

ये है पूरा मामला– मिली जानकारी के मुताबिक 43 वर्षीय हरीश डिंडोर निवासी गोपालपुरा का अपने काका विश्राम डिंडोर के बीच जमीन विवाद चल रहा था। हरीश और उसकी पत्नी रामीबाई 11 मार्च 2023 की शाम करीब 6 बजे अपने खेत पर घास काट रहे थे।

हरीश का काका विश्राम पास के ही खेत में भैंस चरा रहा था और विश्राम का पुत्र मुकेश व कन्या खेत में गेहूं इकट्ठा कर रहे थे। इसी बीच विश्राम की भैंस हरीश के खेत में जाकर गेहूं की फसल को नुकसान पहुंचा रही थी। हरीश व उसकी पत्नी ने विश्राम से भैंस को खेत से हटाने के लिए कहा तो पास में विश्राम अपशब्द कहने लगा। मुकेश व कन्या भी दौड़कर मौके पर पहुंचे और अपशब्द कहने लगे। शोर सुनाकर विश्राम का पुत्र साधु लाल डिंडोर उर्फ साधु भी वहां पहुंचा था। इस बीच विवाद बढ़ने पर हरीश और रामीबाई के साथ मारपीट शुरू कर दी थी। हरीश को नीचे गिरा तो अभियुक्तों ने बड़े-बड़े पत्थरों व लाठी से हरीश के साथ जमकर मारपीट की थी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई और रामीबाई घायल हो गई थी। आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए थे और डायल-100 को सूचना दी थी। पुलिस ने रामीबाई व हरीश को सरवन के सरकारी अस्पताल भिजवाया था, जहां हरीश को मृत घोषित किया गया था।

खून लगे 5 पत्थर मौके से किए थे जप्त– पुलिस ने अभियुक्त विश्राम, उसके पुत्र मुकेश, साधु लाल व पुत्री कन्या के खिलाफ हत्या का प्रकरण दर्ज कर घटनास्थल से खून लगे 10 किलो, 3 किलो, ढाई किलो व दो किलो वजनी चार पत्थर जब्त किए थे। बाद में अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लाठियां भी जब्त की गई थी।

जमीनी विवाद में घायल युवक की मौत

मंदसौर, 14 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। नीमच के कचोली गांव में 9 जुलाई की रात में दो पक्षों में जमीन विवाद में खुनी संघर्ष हुआ था। इस मारपीट मे एक पक्ष का 22 वर्षीय युवक गंभीर घायल हो गया था। जिसने शनिवार देर शाम इलाज के दौरान दम तोड दिया। जानकारी के मुताबिक मारपीट में गोपाल के सिर में गंभीर चोट आई थीं। पहले उसे गम्भीर अवस्था में नीमच जिला अस्पताल ले जाया गया था। मगर उसकी नाजुक हालत को देखते हुए। डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद राजस्थान के उदयपुर रेफर कर दिया था, जहां शनिवार को इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।मृतक गोपाल के शव को नीमच जिला चिकित्सालय लाया गया। जहां परिजनों की मौजूदगी शो का पोस्टमार्टम कर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जा शुरू कर दी है।वहीं मारपीट करने वालो पर जीरन पुलिस ने धारा 296, 115(2), 351 (3), 109.3(5) क्च.हृ.स्. कर तहत चारों आरोपी को गिरफ्तार कर उन्हें न्यायालय में पेश किया गया है। जहां सभी आरोपियों को न्यायालय ने जेल भेज दिया है।जीरन थाना प्रभारी मनोज सिंह जादौन ने बताया कि चार दिन पहले 9-10 जुलाई की रात में ग्राम कचोली का मारपीट का मामला सामने आया था। घायल की पत्नी की शिकायत पर मारपीट करने वालो पर कार्यवाही की गई थी। आज आरोपियों को न्यायालय में पेश कर दिया है। जहां से उन्हें जेल भेज दिया है।

गुरु पूर्णिमा पर्व पर आचार्य श्री रामानुज जी का मंदसौर वासियों को मिलेगा सानिध्य

मंदसौर, 14 जुलाई गुरू एक्सप्रेस। श्री हरि कथा आयोजन समिति एवं मानवता मिशन ट्रस्ट के तत्वाधान में गुरु पूर्णिमा महोत्सव में इस बार 21 जूलाई रविवार को भगवान श्री तलाई वाले बालाजी के परम भक्त आचार्य श्री रामानुज जी महाराज का सानिध्य और आशीर्वाद भक्तों को मिलेगा। गुरु पूर्णिमा महोत्सव की तैयारियों को लेकर आज 15 जूलाई सोमवार को रात्री 8 से 9 बजे तक बालाजी मंदिर परिसर पुरानी कृषि उपज मण्डी गोल चौराहा पर गुरू भक्तो और धर्मालुजनों की एक विशेष बैठक का आयोजन रखा गया है।

इस आशय की जानकारी देते हुए श्री हरिकथा आयोजन समिति, मानवता मिशन ट्रस्ट एवं गुरू भक्त मण्डलके सर्वश्री नरेंद्र अग्रवाल, रमाशंकर शर्मा अशोक झलोया ने एक विज्ञप्ति में बताया कि इस बार गुरु पूर्णिमा महोत्सव पर पूज्य गुरुदेव आचार्य श्री रामानुजजी महाराज का 20 जुलाई शनिवार को मंदसौर शहर में आगमन हो रहा है। गुरू पूर्णिमा पर्व पर 21 जुलाई को नयापुरा रोड स्थित श्री रुद्राक्ष माहेश्वरी धर्मशाला परिसर में संध्या 4 से 6 बजे तक गुरु पूजन एवं दीक्षा समारोह का आयोजन किया गया है। जहां पर आचार्य श्री भक्तो को आशिर्वाद देंगे। तत्पश्चात संध्या 6:00 बजे से एक घण्टे के लिए विशेष प्रवचन समारोह रखा गया है। आचार्य श्री रामानुज जी के भक्तों से अनुरोध है कि जो भी गुरु पूर्णिमा के इस पावन दिवस पर पूज्य गुरुदेव के सानिध्य में गुरु दीक्षा लेना चाहते हैं तो वह संध्या 4:00 बजे रूद्राक्ष माहेश्वरी धर्मशाला में उपस्थित होकर गुरु दीक्षा एवं गुरु पूजन समारोह में सम्मिलित हो सकते हैं। तथा संध्या 6:00 बजे से 1 घंटे के विशेष प्रवचन का आयोजन रखा गया है। मंदसौर शहर की धर्म प्रेमी जनता से अनुरोध है कि गुरु पूर्णिमा महोत्सव पर आयोजित समारोह में उपस्थित होकर धर्म लाभ लेवे।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in